गैरसैंण, गुरूवार
7 नवम्बर 2024
वर्षः 16
अंकः 176 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00
RNI No.UTTHIN/2005/16338

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल
डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

बाबी पंवार पर सचिव के साथ मारपीट का आरोप, रिपोर्ट दर्ज

देहरादून। उत्तराखंड बेरोजगार संघ के अध्यक्ष बाबी पंवार पर आरोप है कि उन्होंने अपने दो अन्य साथियों के साथ सचिवालय में सचिव आर मीनाक्षी सुन्दरम के साथ गाली–गलौज, डराने–धमकाने और जान से मारने की धमकी दी। यही नहीं उन्होंने सचिव के स्टाफ के साथ भी धक्का–मुक्की तथा मारपीट की। इस मामले में थाना कोतवाली में बाबी पंवार के उसके साथियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। सचिव के स्टाफ ने देहरादून के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर अपने जान–माल के नुकसान की आशंका जताई। साथ ही कहा कि यदि भविष्य में सचिव अथवा उनके साथ कोई अनहोनी होती है तो उसके लिए बॉबी पंवार उत्तरदायी होगा। सचिव मीनाक्षी सुन्दरम के वरिष्ठ निजी सचिव कपिल कुमार की ओर से एसएसपी को दिए गए प्रार्थना पत्र में कहा गया है कि आज सांय लगभग 06.25 बजे सचिव मीनाक्षी सुन्दरम के सचिवालय स्थित कार्यालय कक्ष संख्या 201 में बॉबी पंवार अपने दो साथियों के साथ मिलने के लिए आए। सचिव द्वारा जब उन्हें अपने कक्ष में बुलाया गया तो उनके द्वारा सचिव को गाली–गलौच, डराने–धमकाने तथा जान से मारने की धमकी दी गई। इस दौरान सचिव द्वारा हमें (कपिल कुमार, वरिष्ठ निजी सचिव एवं अनूप डंगवाल, अपर निजी सचिव) बुलाकर उन्हें बाहर भेजने के निर्देश दिये गये, परन्तु वे सचिव के समक्ष ही हमसे भी धक्का–मुक्की, हाथापाई तथा मारपीट की गयी तथा शासकीय कार्यों में बाधा उत्पन्न की। साथ ही उनके द्वारा सचिवालय से बाहर देख लेने की धमकी भी दी गयी, जिससे हमें जान–माल के नुकसान की आशंका है। यदि भविष्य में सचिव अथवा हमारे साथ कोई अनहोनी होती है तो उसके लिए पूर्ण रूप से बॉबी पंवार उत्तरदायी होगा। इस प्रार्थना पत्र के आधार पर बाबी पंवार के उसके साथियों के खिलाफ थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज की गयी है।

मेधावी बच्चों को सस्ता लोन देगी मोदी सरकार, कैबिनेट में लगी फैसले पर मुहर

नई दिल्ली ,केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री विद्या लक्ष्मी योजना को मंजूरी दे दी है। इस बारे में केंद्रीय मंत्री अश्विणी वैष्णव ने कैबिनेट मीटिंग में लिए गए फैसलों के बारे में बताते हुए कहा कि योजना के तहत 8 लाख रुपये सालाना से कम आमदनी वाले परिवार के बच्चों को 3 प्रतिशत की ब्याज सब्सिडी के तहत 10 लाख रुपये तक का लोन दिया जाएगा।

योजना का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी मेधावी छात्र को आर्थिक कारणों से उच्च शिक्षा से वंचित न रहना पड़े। यह योजना राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसमें सुझाव दिया गया था कि सरकारी और निजी उच्च शिक्षा संस्थानों में योग्य छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाए। योजना के लिए 3,600 करोड़ रुपये का प्रावधान रखा गया है, जो वित्तीय वर्ष 2024–25 से लागू होगी। मेधावी बच्चों की पढ़ाई के अलावा कैबिनेट ने कई और अहम फैसले लिए हैं। वैष्णव ने बताया कि खाद्यान्न की खरीद में एफसीआई की बहुत बड़ी भूमिका होती है। आज भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) को मजबूत करने का निर्णय भी लिया गया। कैबिनेट ने एफसीआई को 10,700 करोड़ रुपये की नई इक्विटी पूंजी देने का निर्णय लिया है।

जिसका बुल्डोजर से घर टूटा, उसे 25 लाख रुपए मिलेंगे... सुप्रीम कोर्ट का आदेश

नई दिल्ली ,देश की शीर्ष अदालत सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को उत्तर प्रदेश सरकार को बुलडोजर एक्शन पर फटकार लगाई है। मामला यूपी के महाराजगंज जिले का है, जहां सडक़ चौड़ीकरण प्रोजेक्ट के लिए घरों को बुलडोजर के जरिए ध्वस्त किया गया था। मनोज टिबरेवाल आकाश ने रिट याचिका दायर की थी, जिस पर अदालत सुनवाई कर रही थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि यूपी सरकार ने जिसका घर तोड़ा है उसे 25 लाख रुपए का मुआवजा दे।?सीजेआई ने कहा कि यह पूरी तरह से मनमानी है, उचित प्रक्रिया का पालन कहां किया गया है? हमारे पास हलफनामा है, जिसमें कहा गया है कि कोई नोटिस जारी नहीं किया गया था, आप केवल साइट पर गए थे और लोगों को सूचित किया था। हम इस मामले में दंडात्मक मुआवजा देने के इच्छुक हो सकते हैं। क्या इससे न्याय का उद्देश्य पूरा होगा? वार्ड नंबर 16 मोहल्ला हामिदनगर में स्थित अपने पैतृक घर और दुकान के विध्वंस की शिकायत करते हुए मनोज टिबरेवाल द्वारा संबोधित पत्र पर स्वतः संज्ञान लिया गया था।

वाशिम में सीएम योगी बोले, बंटिए मत, बंटे थे तो कटे थे, एक हैं तो सेफ हैं

वाशिम ,उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को महाराष्ट्र के वाशिम में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। इस दौरान सीएम योगी ने कांग्रेस और महाविकास अघाड़ी पर जमकर निशाना साधा। सीएम योगी ने चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि वाशिम विधानसभा क्षेत्र में उमड़ा यह अपार जन सिंधु महाराष्ट्र में भाजपा की विजय गाथा लिखने जा रहा है।

उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने जिस दुष्ट अफजल को मार गिराया था उसके नाम पर औरंगाबाद का नाम होना, याद करना इसको हटना ही चाहिए था, इसे संभाजीनगर के रूप में पहचान मिलनी ही थी। छत्रपति शिवाजी महाराज का संघर्ष हो या संभाजी महाराज का, हमें नई प्रेरणा देता है। छत्रपति शिवाजी महाराज हम सबको एकजुट करके लेकर गए थे। हर भारतवासी को अपने साथ जोड़े थे। अपनी सेना का हिस्सा बनाए थे। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र चुनाव में दो महा गठबंधन चुनाव लड़ रहे हैं। एक तरफ महायुति गठबंधन है और दूसरी ओर महा अघाड़ी के रूप में महाअनाड़ी गठबंधन है। मैं अनाड़ी इसलिए कहता हूं जिसे राष्ट्र की चिंता नहीं हो, वह अनाड़ी ही होगा। एक समय था जब आतंकवादी देश में घुसकर विस्फोट करते थे, आज पीएम मोदी के नेतृत्व में कोई सीमा पर अतिक्रमण करता है तो उसका राम नाम सत्य हो जाता है। सीएम योगी ने वाशिम में शिवाजी बनाम औरंगजेब का वैचारिक मुद्दा उठाकर हिन्दुत्व को तेज धार देने वाली स्पीच दी। योगी ने कहा कि जिस तरह से वाशिम विधानसभा क्षेत्र में लोग उमड़े हैं, यह महाराष्ट्र में भाजपा की विजय गाथा लिखने जा रहा है। उन्होंने कहा कि सत्ताएं तो आएंगी–जाएंगी, लेकिन हमारा भारत रहना चाहिए और भारत दुनिया की सबसे बड़ी ताकत बनना चाहिए। विपक्षी कहते थे राम हुए नहीं, कृष्ण हुए नहीं, आज भले ये चुनाव में कह रहे हो लेकिन इन पर भरोसा मत करिएगा। राम हमारी रग–रग में हैं, कण–कण में हैं। इसके अलावा सीएम योगी ने आगे कहा कि बंटिए मत! क्योंकि जब भी बंटे थे तो कटे थे। एक हैं तो नेक हैं, एक हैं तो सेफ हैं।

एलएमवी लाइसेंस धारक चला सकेंगे हल्के ट्रांसपोर्ट वाहन, सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया बड़ा फैसला

नई दिल्ली ,सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कहा है कि लाइट मोटर व्हीकल (एलएमवी) का ड्राइविंग लाइसेंस रखने वाला व्यक्ति अब 7500 किलोग्राम तक के हल्के ट्रांसपोर्ट वाहन चला सकता है। यह फैसला बीमा कंपनियों और ड्राइवरों दोनों के लिए बड़ी राहत की खबर है। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ के नेतृत्व वाली पांच–सदस्यीय संविधान पीठ इस पर फैसला सुनाया है। बीमा कंपनियां लंबे समय से इस बात पर सवाल उठाती रही थीं कि क्या एलएमवी लाइसेंस धारक ट्रांसपोर्ट वाहन चलाने के लिए योग्य हैं। उनका तर्क था कि दोनों के लिए अलग–अलग लाइसेंस की आवश्यकता होती है। इस मुद्दे पर कई बार विवाद हुए और अदालतों में मुकदमे भी हुए। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर लंबी सुनवाई के बाद फैसला सुनाया है कि एलएमवी लाइसेंस धारक 7500 किलोग्राम तक के हल्के ट्रांसपोर्ट वाहन चला सकते हैं। इस फैसले से बीमा कंपनियों को अब ऐसे मामलों में क्लेम देने से इनकार नहीं कर सकेंगी। सरकार ने भी इस फैसले का स्वागत किया है। केंद्र सरकार शीतकालीन सत्र में मोटर वाहन अधिनियम में संशोधन करके इस फैसले को कानूनी रूप देगी। इस फैसले के बाद अब ड्राइवरों को अलग से ट्रांसपोर्ट वाहन का लाइसेंस लेने की जरूरत नहीं होगी। बीमा कंपनियों को अब इस मुद्दे पर विवाद करने की जरूरत नहीं होगी। इस फैसले से यातायात नियमों में एकरूपता आएगी।

राष्ट्रीय खेलों की तारीख पर आईओए की अंतिम मुहर

●उत्तराखंड में 28 जनवरी से 14 फरवरी तक होंगे नेशनल गेम्स

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : उत्तराखंड में 38वें नेशनल गेम्स के आयोजन की तारीख पर भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने अपनी अंतिम मुहर लगा दी है। संघ की ओर से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को एक पत्र के माध्यम से यह सूचना दी गई है। आयोजन को सफल बनाने के लिए पांच विभिन्न कमेटियों का गठन भी भारतीय ओलंपिक संघ की ओर से कर दिया गया है। बता दें कि बीते माह मुख्यमंत्री ने अपने दिल्ली प्रवास के दौरान संघ की अध्यक्ष डॉ. पीटी उषा से मुलाकात कर राष्ट्रीय खेलों की तारीख घोषित किए जाने का अनुरोध किया था। डॉ. उषा ने तभी आयोजन की प्रस्तावित तारीखों को सहर्ष स्वीकृति दे दी थी। अब इस तिथि का औपचारिक ऐलान कर दिया गया है। अगले वर्ष 28 जनवरी से 14 फरवरी तक 38वें नेशनल गेम्स यहां आयोजित होंगे। इस आयोजन को सफल बनाने के लिए पांच विभिन्न कमेटियों का गठन कर दिया गया है। इनमें सुश्री सुनैना की अध्यक्षता में गेम्स टेक्निकल कंडक्ट कमेटी, मधुकांत पाठक की अध्यक्षता एनएसएफ/एसओए कोआर्डिनेशन कमेटी, विथल शिरगोंकार की अध्यक्षता में प्रोटोकॉल कमेटी, सुश्री सुमन कौशिक की अध्यक्षता में सेफगार्डिंग कमेटी और आईएएस आरके सुधांशु की अध्यक्षता में प्रिवेंशन ऑफ मैनिपुलेशन ऑफ कंपटीशन कमेटी गठित की गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड में 38वें नेशनल गेम्स बेहद सफल और ऐतिहासिक होंगे। इस राष्ट्रीय खेल महाकुंभ के लिए उत्तराखण्ड पूरी तरह से तैयार है। राज्य सरकार इस आयोजन को यादगार बनाने में कोई भी कोर कसर बाकी नहीं रखेगी। जिन राज्यों में पिछले राष्ट्रीय खेल हुए हैं, उनके अनुभवों के आधार पर उत्तराखंड में राष्ट्रीय खेल बेहतर ढंग से आयोजित किए जाएंगे। हमारा प्रयास होगा कि उत्तराखण्ड में राष्ट्रीय खेलों का आयोजन अभी तक हुए राष्ट्रीय खेलों से बेहतर हो।

मुख्यमंत्री ने नई दिल्ली में किया राज्य अतिथि गृह ‘उत्तराखण्ड निवास’ का लोकार्पण

●उत्तराखण्ड निवास में राज्य की संस्कृति, लोक कला और वास्तुकला का किया गया है समावेश ●श्री अन्न उत्पादों और जैविक उत्पादों के लिए उत्तराखण्ड निवास में लगेगा विशेष काउंटर

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को नई दिल्ली के चाणक्यपुरी में उत्तराखण्ड राज्य अतिथि गृह ‘उत्तराखण्ड निवास’ का लोकार्पण किया। इस भव्य उत्तराखण्ड निवास का निर्माण लगभग 120 करोड़ 52 लाख की लागत से किया गया है। इस अवसर पर सबसे पहले मुख्यमंत्री ने अल्मोड़ा जनपद के मार्चुला बस दुर्घटना में दिवंगत आत्माओं की शांति और उनके परिवारजनों को धैर्य प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हम सब उत्तराखण्ड निवास के लोकार्पण के ऐतिहासिक पल के साक्षी बन रहे हैं। उत्तराखण्ड निवास में राज्य की संस्कृति, लोक कला और वास्तुकला का समावेश किया गया है। उत्तराखण्ड की अद्वितीय कला की छाप उत्तराखण्ड निवास संजोये हुए है। इसकी दीवार पारंपरिक रूप से पहाड़ी शैली के सुंदर पत्थरों से निर्मित है, जो हमारी सांस्कृतिक धरोहर को भी जीवंत करने का का कार्य करती है। यह भवन हमारी समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं को एक नई ऊंचाई प्रदान करने के साथ ही उत्तराखण्ड और देश-विदेश से आने वाले अतिथियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आरामदायी आवास व्यवस्था तथा उत्तराखण्ड की संस्कृति की झलक को समेटे यह भवन राष्ट्रीय राजधानी में हमारे प्रदेश की गरिमा का प्रतीक बनेगा। कहा कि उत्तराखण्ड निवास में हमारे पारंपरिक व्यंजनों की व्यवस्था की जाए। श्री अन्न उत्पादों और जैविक उत्पादों की बिक्री के लिए भी यहां पर एक विशेष काउंटर की व्यवस्था की जाए। उत्तराखण्ड की पहचान टोपी, पिछोड़ा, शॉल, जैकेट एवं राज्य के प्रसिद्ध उत्पादों की बिक्री की भी व्यवस्था हो। राज्य की महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा उच्च गुणवत्ता के उत्पाद बनाये जा रहे हैं। यह हमारे आने वाले अतिथियों के लिए एक विशेष प्रकार का अनुभव होगा। मुख्यमंत्री ने उत्तराखण्ड भवन के निर्माण में योगदान देने वाले सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। सभी श्रमिकों के समर्पण भाव की भी उन्होंने सराहना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी 09 नवम्बर को हम उत्तराखण्ड राज्य की रजत जयंती वर्ष में प्रवेश करने जा रहे हैं। ऐसे में उत्तराखण्ड भवन का लोकार्पण श्रेष्ठ उत्तराखण्ड बनाने का हमारे संकल्प को मजबूती प्रदान करेगा और राज्य को आगे बढ़ाने में हम सबको प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा कि राज्य के समग्र विकास के लिए पिछले सालों में कई महत्वपूर्ण योजनाएं और नीतियां लागू की गई हैं। यही कारण है कि नीति आयोग द्वारा इस वर्ष जारी सतत विकास के लक्ष्यों की रैंकिंग में उत्तराखण्ड को देश प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री प्रेमचन्द अग्रवाल, गणेश जोशी, डॉ. धन सिंह रावत, सासंद एवं पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत, सांसद अजय भट्ट, राज्यसभा सांसद और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट, सांसद श्रीमती माला राज्यलक्ष्मी शाह, राज्यसभा सासद डॉ. कल्पना सैनी, सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति रंजना प्रकाश देसाई, मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी, पूर्व मुख्य सचिव शत्रुघ्न सिंह, प्रमुख सचिव आर.के सुधांशु आदि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने श्रमिकों को शॉल ओढ़ाकर किया सम्मानित

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को नई दिल्ली के चाणक्यपुरी में उत्तराखण्ड राज्य अतिथि गृह ‘उत्तराखण्ड निवास’ का लोकार्पण किया।

इस कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड निवास के निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने वाले श्रमिकों को भी शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री ने श्रमिकों के योगदान को याद करते हुए कहा कि उत्तराखण्ड निवास के निर्माण में अपना योगदान देने वाले श्रमिकों को सम्मान करना हम सभी के लिए सौभाग्य की बात है। श्रमिकों की रात दिन की मेहनत एवं उनके अथक परिश्रम से हम उत्तराखण्ड निवास का लोकार्पण कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि श्रमिकों का समर्पण भाव से ही हम निर्माण कार्य को तय समय में पूरा कर पाए हैं। सम्मानित होने पर श्रमिकों ने भी मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

डोनाल्ड ट्रंप की जीत के पीछे ये है 6 सबसे बड़े कारण, हमला होने के बाद भी नहीं मानी हार

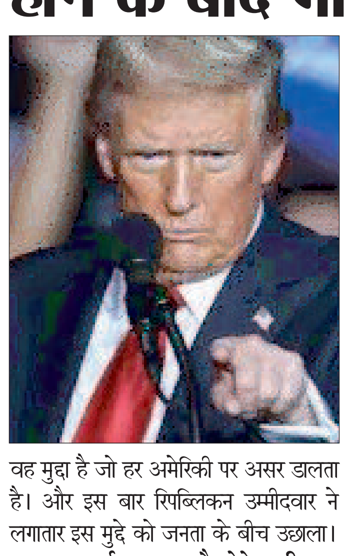

न्यूयॉर्क , डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति चुनाव में अपनी जीत का ऐलान किया है। उन्होंने जीत को अमेरिका का “स्वर्ण युग” बताया। रिपब्लिकन उम्मीदवार ने कहा, यह अमेरिकी लोगों के लिए एक शानदार जीत है, जो हमें अमेरिका को फिर से महान बनाने का अवसर देगी। चुनाव प्रचार के दौरान उन पर हमला भी हुआ, खून से लथपथ ट्रंप ने फिर भी हार नहीं मानी। डोनाल्ड ट्रंप की जीत के कुछ अहम कारण जो अभी तक के सर्वेक्षणों और लोगों की राय से सामने आए हैं वह कुछ इस प्रकार हैं।

सबसे बड़ा मुद्दा महंगाई

अमेरिका में ट्रंप के शासन के बाद सत्ता में आए जो बाइडेन को महंगाई के मुद्दे पर खूब खरी खोटी सुननी पड़ी थी। खाद्य उत्पादों के दाम में वृद्धि से लोग परेशान हुए। आंकड़े बताते हैं सितंबर में फरवरी 2021 से महंगाई इस वर्ष कम रही लेकिन बाइडेन के कार्यकाल के दौरान आंकड़ा ऊपर ही बना रहा था। खास बात यह है कि खाद्य महंगाई को छोड़कर बाकी मामलों में अर्थव्यवस्था में कोई खास समस्या नहीं रही थी। अमेरिका में 1970 के बाद से वर्तमान में सबसे ज्यादा महंगाई है। यह वह मुद्दा है जो हर अमेरिकी पर असर डालता है। और इस बार रिपब्लिकन उम्मीदवार ने लगातार इस मुद्दे को जनता के बीच उछाला।

अर्थव्यवस्था और बेरोजगारी

राष्ट्रपति चुनाव देश की अर्थव्यवस्था और बेरोजगारी को लोगों ने एक अहम मुद्दा बताया। कई लोगों को साफ लगता है कि जो बाइडेन के कार्यकाल में अर्थव्यवस्था में काफी उतार–चढ़ाव देखने को मिला। गौरतलब है कि 2020 में ट्रंप के जाने के बाद और जो बाइडेन के राष्ट्रपति बनने के बाद से देश को कोरोना महामारी का सामना करना पड़ा। वैसे इस महामारी ने दुनिया को पूरी तरह से प्रभावित किया था। और इस दौरान अमेरिका में भी उच्च स्वास्थ्य व्यवस्था के बावजूद 3.5 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। इस दौरान भी लोगों का बाइडेन पर गुस्सा फूटा था। साथ ही इस दौरान जिस प्रकार अर्थव्यवस्था गिरी थी उसे उठने में समय लगा। इसके साथ बेरोजगारी दर भी बढ़ती गई। यह अलग बात है कि अमेरिका अर्थव्यवस्था में ज्यादा नुकसान नहीं हुआ था और आज भी अमेरिकी अर्थव्यवस्था दुनिया की नंबर वन अर्थव्यवस्था है। ट्रंप ने अपने भाषणों में अर्थव्यवस्था का मुद्दा जमकर उठाया और बताया कि कैसे उनके कार्यकाल में अर्थव्यवस्था दुनिया में किस प्रकार मजबूत स्थिति में थी।

विदेश नीति

चुनाव प्रचार के दौरान पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रिपब्लिकन उम्मीदवार ने डेमोक्रैट्स की वर्तमान सरकार यानी जो बाइडेन की सरकार पर विदेश नीति में सही पॉलिसी न अपनाने का आरोप लगाया। कमला हैरिस इस सरकार में उपराष्ट्रपति थीं।

छठ पूजा को जिनकी आवाज ने लोकल से ग्लोबल बनाया, उस स्वर कोकिला ने नहाय–खाय के दिन ली अंतिम सांस

नई दिल्ली , मशहूर लोक गायिका शारदा सिन्हा का बीती रात निधन हो गया। वह 72 साल की थीं। कुछ दिन पहले बीमारी के चलते उन्हें दिल्ली के एम्स में भर्ती कराया गया था। सोमवार को तबीयत बिगडऩे पर उन्हें वेंटीलेटर पर शिफ्ट कर दिया गया था। शारदा सिन्हा के पुत्र अंशुमन सिन्हा ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म फेसबुक पर पोस्ट में इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया, आप सब की प्रार्थना और प्यार हमेशा मां के साथ रहेंगे। मां को छठी मइया ने अपने पास बुला लिया है। मां अब शारीरिक रूप में हम सब के बीच नहीं रहीं।

पद्म भूषण से सम्मानित 72 वर्षीय शारदा सिन्हा मैथिली और भोजपुरी गानों के लिए जानी जाती हैं। उनके चर्चित गानों में विवाह गीत और छठ गीत शामिल हैं। गीत–संगीत में उनके योगदान के लिए उन्हें पद्मश्री और पद्म विभूषण से भी सम्मानित किया गया है। शारदा सिन्हा का जन्म 1 अक्टूबर 1952 को बिहार के समस्तीपुर में संगीत से जुड़े एक परिवार में हुआ था।

शारदा सिन्हा का जाना, बिहार के लिए बहुत बड़ी क्षति : लालू प्रसाद यादव

पटना ,मशहूर लोक गायिका शारदा सिन्हा का बीती रात देहांत हो गया। राष्ट्रीय जनता दल सुप्रीमो एवं बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने उनके निधन को बिहार के लिए बहुत बड़ी क्षति बताया।

राजद सुप्रीमो लालू यादव ने पत्रकारों से बात करते हुए शारदा सिन्हा के निधन पर दुख प्रकट किया। उन्होंने कहा, शारदा सिन्हा जी का देहांत छठ के अवसर पर ही हो गया। छठ त्योहार के गीतों में उनकी आवाज एक अलग सा माहौल बनाती थी।

लालू यादव ने आगे कहा कि शारदा सिन्हा को सारा परिवार सुनता था और उनका आदर करता था। सूर्य भगवान से प्रार्थना करता हूं कि वो शारदा सिन्हा की आत्मा को शांति प्रदान करें। जितने भी उनके श्रोता हैं, उनको दुख सहने की शक्ति दें। लालू यादव ने सभी को छठ की शुभकामनाएं दी और कहा कि शारदा सिन्हा का हमारे बीच नहीं रहना बिहार के लिए बहुत बड़ी क्षति है।

बता दें कि मशहूर लोक गायिका शारदा सिन्हा का मंगलवार की रात निधन हो गया। वह 72 साल की थीं। कुछ दिन पहले बीमारी के चलते उन्हें दिल्ली के एम्स में भर्ती कराया गया था। सोमवार (4 नवंबर) को तबीयत बिगडऩे पर उन्हें वेंटीलेटर पर शिफ्ट कर दिया गया था। बेटे अंशुमन ने उनका हेल्थ अपडेट सोशल मीडिया के जरिए फैंस तक पहुंचा रहे थे। निधन की खबर भी उन्होंने साझा की।

शारदा सिन्हा के पुत्र अंशुमन सिन्हा ने मंगलवार शाम सोशल मीडिया प्लेटफार्म फेसबुक पर दुखद खबर सुनाई। उन्होंने बताया , आप सब की प्रार्थना और प्यार हमेशा मां के साथ रहेंगे। मां को छठी मइया ने अपने पास बुला लिया है। मां अब शारीरिक रूप में हम सब के बीच नहीं रहीं।

पद्म भूषण से सम्मानित 72 वर्षीय शारदा सिन्हा मैथिली और भोजपुरी गानों का जाना पहचाना नाम थीं। उनके चर्चित गानों में “विवाह गीत” और “छठ गीत” शामिल हैं। गीत–संगीत में उनके योगदान के लिए उन्हें पद्मश्री और पद्म विभूषण से भी सम्मानित किया गया है।

यात्रा के दौरान देवदूत से लेकर हमदर्द की भूमिका में रहा स्वास्थ्य विभाग

●हेली सेवा, आपदा प्रबंधन एवं पुलिस प्रशासन के चुस्त एक्शन से सफल हुई कार्य योजना

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : श्री केदारनाथ धाम यात्रा के सफल एवं सुव्यवस्थित संचालन में हर विभाग महत्वपूर्ण भूमिका में रहता है। लेकिन श्रद्धालुओं की यात्रा के दौरान स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी देवदूत और हमदर्द दोनों की भूमिका में नजर आते हैं। वर्ष 2024 की यात्रा के दौरान जिलाधिकारी सौरभ गहरवार के निर्देशन में रैपिड रिस्पांस के लिए विशेष कार्य योजना बनाने से एक ओर जहां न्यूनतम समय में मरीजों को उचित इलाज मिल सका दूसरी ओर यात्री की मृत्यु होने पर रिकॉर्ड समय में शव परिजनों को सौंपा गया।

वर्ष 2024 की श्री केदारनाथ धाम यात्रा प्रबंधन को मजबूत करने को जिलाधिकारी सौरभ गहरवार ने कई प्रयास किए। जिसमें स्वास्थ्य व्यवस्था को दुरुस्त एवं सुगम बनाने के लिए किए गए प्रयास बड़ा प्रभाव लेकर आए। जिलाधिकारी द्वारा बाबा केदारनाथ यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने एवं यात्रा के दौरान मृत्यु की स्थिति पर शव को परिजनों के सुपुर्द करने के लिए रैपीड रिस्पॉन्स सिस्टम तैयार किया गया। जिसमें स्वास्थ्य के अलावा नोडल हेली, आपदा प्रबंधन अधिकारी, पुलिस एवं सेक्टर अधिकारियों सहित जिला प्रशासन के उच्च अधिकारियों की जिम्मेदारी तय कर न्यूनतम समय में इलाज एवं शव पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंपने की व्यवस्था बनाई गई। इसके लिए एक समर्पित (डेडीकेटेड) व्हाट्सएप ग्रुप भी तैयार किया गया वहीं संबंधित विभागों के अधिकारियों के फोन का जवाब तुरंत देने का प्रोटोकॉल भी तय हुआ।

एम्बुलेंस के लिए ग्रीन कॉरिडोर अनिवार्य किया

प्रभारी मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. विमल गुसाईं ने बताया कि प्रशासन द्वारा रैपीड रिस्पॉन्स सिस्टम के अंतर्गत एम्बुलेंस के यातायात के लिए ग्रीन कॉरिडोर अनिवार्य किया गया। एम्बुलेंस के संचालन के समय विभिन्न चेक पोस्टों पर पुलिस को पहले ही सूचना दे दी जाती इससे किसी भी मरीज या शव को आसानी से गंतव्य तक पहुंचा दिया जाता। इस वर्ष कुछ यात्रियों की केदारनाथ में तबियत बिगड़ने या मृत्यु होने पर उन्हें रिकॉर्ड तीन घंटे के अंदर जिला चिकित्सालय रुद्रप्रयाग पहुंचाया गया। मृत्य की स्थिति में पंचनामा एवं पोस्टमार्टम का समय जोड़ने के बाद कई शवों को छह घंटे के भीतर उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है। पूरे अभियान में 01 एडवांस लाइफ सपोर्ट सहित 10 एम्बुलेंस, 04 शव वाहन एवं संबधित विभागों के प्रतिदिन करीब 150 कर्मचारियों ने यात्रियों को जीवन दान देने से लेकर शव समय पर परिवार को सुपुर्द करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उधर जिला पर्यटन अधिकारी राहुल चैबे ने रेस्क्यू कार्यों से लेकर मरीज एवं शवों को समय पर केदारनाथ सहित अन्य हेलीपैड से बेस हेलीपैड पर पहुंचाने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि रैपिड रिस्पांस के बिना यह संभव नहीं था।

करीब दो लाख यात्रियों का हुआ इलाज

प्रभारी मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. विमल गुसाईं ने बताया कि श्री केदारनाथ धाम की इस वर्ष की यात्रा में 1 लाख, 98 हजार, 952 श्रद्धालुओं का स्वास्थ्य उपचार किया गया है। जिसमें 1 लाख, 57 हजार, 330 पुरुष तथा 41 हजार, 622 महिलाएं शामिल हैं। इसके साथ ही 15 हजार 173 लोगों को ऑक्सीजन की सुविधा उपलब्ध कराई गई तथा 01 लाख, 61 हजार 308 श्रद्धालुओं की स्क्रीनिंग भी की गई। उन्होंने बताया कि यात्रा के दौरान 218 लोगों को एंबुलेंस सेवा से तथा 90 श्रद्धालुओं को हेली सेवा के माध्यम से हायर सेंटर के लिए रेफर किया गया।

सम्पादकीय

डकार गया विभाग "सुरक्षा कवच"

उत्तराखंड में यात्रियों की सुरक्षा को लेकर ना तो परिवहन और ना ही दूसरे विभागों को कोई परवाह है। अल्मोड़ा के बस हादसे के बाद न केवल आरटीओ और पुलिस बल्कि अब दूसरे विभागों की लापरवाहियां भी सामने आने लगी हैं जो कि अक्सर दुर्घटनाओं के पीछे छिपी रह जाती थी और सारा ठीकरा परिवहन और पुलिस विभाग के सिर पर फोड़ दिया जाता था। इस बार लोक निर्माण विभाग की एक बड़ी लापरवाही सामने आई है जिसे लेकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी गहरी नाराजगी जताई है और इस लापरवाही को लेकर जिम्मेदार अधिकारियों पर गाज गिरनी भी तय मानी जा रही है। अल्मोड़ा के बस हादसे से न केवल उत्तराखंड बल्कि पूरे देश में यात्रियों की सुरक्षा और परिवहन तंत्र के संचालन को लेकर अपनाये जाने वाले सुरक्षा प्रबंधन पर सवाल उठने लगे हैं। उत्तराखंड के पहाड़ी मार्गों पर दुर्घटना को रोकने या फिर वाहनों को खाई में गिरने से रोकने के लिए "क्रैश बैरियर" लगाए जाने की व्यवस्था सरकार की ओर से की जाती है जिसके लिए लोक निर्माण विभाग को अच्छा खासा बजट भी जारी किया जाता है, लेकिन लोक निर्माण विभाग को शायद यात्रियों की सुरक्षा से कोई लेना-देना नहीं है और यह साबित हुआ है अल्मोड़ा बस हादसे के बाद खुली विभागों की पोल से। लोक निर्माण विभाग को क्रैश बैरियर लगाने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी जिसे अधिकारी फाइलों के नीचे दबा गए। सरकार की ओर से यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए दो साल में क्रैश बैरियर लगाने के लिए लोनिवि को सात करोड़ का बजट दिया गया था। इसके बावजूद अधिकारी कुंभकरण की नींद सोते रहे और उन्होंने इस कार्य को तवज्जो ही नहीं दी, लिहाजा कार्य होना तो दूर की बात है। संभवतः यदि पहाड़ी मार्गों पर दुर्घटनाग्रस्त संभावित क्षेत्रों में क्रैश बैरियर लगाया जाए तो इस प्रकार के हादसे में कुछ तो कमी लाई ही जा सकती है और सैकड़ों लोगों की जिंदगी बच सकती हैं। खैर अब तो लापरवाही का आलम सामने आज ही चुका है लिहाजा मुख्यमंत्री ने विभागीय अफसर से जवाब भी तलब कर लिया है कि आखिर बजट मिलने के बावजूद क्रैश बैरियर क्यों नहीं बनाए गए हैं। असल में जब कार्य ही नहीं हुआ तो अधिकारी जवाब क्या देंगे? फिलहाल जांच के आदेश दे दिए गए हैं लेकिन उत्तराखंड में पहले से ही अधिकारी बेलगाम साबित हुए हैं जो हमेशा से ही सरकारी मशीनरी को खुद ही पलीता लगाते आए हैं। बात चाहे नौकरशाही की हो या फिर विभागों की, अक्सर कई बेहद महत्वपूर्ण योजनाओं एवं कार्यों को मामूली समझकर फाइलों को धूल की परत चढ़ाने के लिए रख दिया जाता है।

राहुल मनुस्मृति के बारे गांधी के विचारों को नहीं पढ़ा

अजीत द्विवेदी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पिछले दिनों झारखंड की राजधानी रांची में संविधान के सम्मान में आयोजित एक कार्यक्रम में देश में कथित तौर पर चल रहे वैचारिक संघर्ष को प्रतीकित करने वाली दो बातें कहीं। पहली, मनुस्मृति संविधान विरोधी है'। यह एकदम बेतुकी बात है क्योंकि दो विचारों को एक दूसरे का विरोधी तभी कहा जा सकता है, जब वे समकालीन हों और एक साथ चलन में हों।

दूसरी, मनुस्मृति और संविधान के बीच दशकों से संघर्ष चल रहा है'। सवाल है कि क्या सचमुच इस तरह का कोई वैचारिक संघर्ष धरातल पर चल रहा है? इससे भी बड़ा सवाल यह है कि जब देश 75 साल से संविधान के आधार पर चल रहा है, जिसमें से 55 साल के करीब कांग्रेस सत्ता में रही है और उसमें भी 38 साल राहुल गांधी के परनाना, दादी और पिता ही प्रधानमंत्री रहे तो अब मनस्मृति से देश चलने की बात कहां से आ गई?

इस सदी में 10 साल कांग्रेस का शासन था और तब राहुल गांधी भी सांसद थे क्या तब भी मनुस्मृति और संविधान में संघर्ष चल रहा था? अगर चल रहा था तो राहुल गांधी या कांग्रेस के किसी भी नेता ने 10 साल में एक बार भी इसका जिक्र क्यों नहीं किया और अब अचानक राहुल गांधी इसे लेकर क्यों इतने मुखर हो गए हैं? जाहिर है राहुल गांधी को न तो मनुस्मृति से कोई मतलब है और न संविधान से। उनको सत्ता की राजनीति से मतलब है। होना भी चाहिए क्योंकि वे कोई संत, महात्मा या दार्शनिक तो हैं नहीं। वे नेता हैं और नेता की ही तरह काम करते हैं।

लेकिन सत्ता हासिल करने की बेचैनी में वे जो बातें कह रहे हैं उनसे देश और समाज का कोई भला नहीं हो रहा है। संविधान और कानून के शासन वाले देश में वे जबरदस्ती मनुस्मृति की बात करके सामाजिक विभाजन बढ़ाने का खतरनाक प्रयास कर रहे हैं। वास्तविकता यह है कि इस देश में मनुस्मृति कोई नहीं पढ़ता है। खुद राहुल गांधी ने भी उसका एक भी पन्ना नहीं पढ़ा होगा। उनको पता भी नहीं होगा कि मनुस्मृति के कितने संस्करण मौजूद हैं और उनमें से कोई भी असली नहीं है।

वे शायद यह भी नहीं जानते होंगे कि सोशल मीडिया में मनुस्मृति के नाम से जितनी बातें वायरल होती हैं उनमें से ज्यादातर बातें उस ग्रंथ में नहीं लिखी हैं। मनुस्मृति के की जो बातें सोशल मीडिया में प्रचारित होती हैं उनका असली मकसद सामाजिक विद्वेष बढ़ाना और राजनीतिक लाभ लेना होता है। वह देश में एक नया नैरेटिव सेट करने का टूलकिट है, जिसके पीछे बड़ा खेल हो सकता है। जरूरी नहीं है कि जिस हैंडल या अकाउंट से इसे प्रचारित किया जाता है उसके पीछे कोई पिछड़ा, दलित या कोई प्रगतिशील चेहरा हो। लेकिन वह अलग बहस और चिंता का विषय है।

अभी इस सवाल पर विचार करने की जरुरत है कि क्या सचमुच इस देश में मनुस्मृति और संविधान को लेकर कोई संघर्ष चल रहा है? धरातल पर तो ऐसा कोई संघर्ष देखने को नहीं मिलता है। इसकी पड़ताल करने के लिए कहीं भी 10 लोगों से मनुस्मृति के बारे में पूछा जा सकता है। ज्यादातर लोगों ने इस ग्रंथ का नाम नहीं सुना होगा और सुना भी होगा तो उसके बारे में कोई जानकारी नहीं होगी। हां, यह जरूर है कि भारत में समाज के संचालन के जो नियम बने उनका एक बड़ा हिस्सा मनुस्मृति की बातों पर आधारित है।

लेकिन यह काम 10 या 20 साल पहले या सौ दो सौ साल पहले नहीं हुआ है, बल्कि हजारों साल पहले हुआ और समय के साथ उसमें बदलाव आता गया। यह भी सही है कि अंग्रेजों ने बांटो और राज करो' की अपनी नीति के तहत इसे आधार बना कर कुछ कानून बनाए। लेकिन आजादी मिलने और संविधान लागू होने के बाद तो सारी चीजें बदल गईं। अब निजी, पारिवारिक या धार्मिक कार्यक्रमों में वेद या मनुस्मृति की कुछ बातों का पालन होता हो तो अलग बात है लेकिन सार्वजनिक जीवन में या सरकार

मनुस्मृति का सिर्फ इतना ही मतलब है कि इस ग्रंथ ने प्राचीन भारत के हमारे पूर्वजों को एक रास्ता दिखाया था। यह बताया था कि समाज के संचालन के लिए एक संहिता की जरुरत होती है। यह ठीक उसी तरह था, जैसे मध्य पूर्व में हम्मूराबी की संहिता बनी थी। यह वो समय था, जब समाज को संचालित या नियंत्रित करने के लिए कोई नियम या कानून नहीं थे। उस समय जो सामाजिक व्यवस्था मौजूद थी उसे देखते हुए एक संहिता बनाई गई थी, जिसे लेकर यह विवाद है कि इसे स्वंयभू मनु ने बनाई या भृगु ऋषि ने बनाई, इसे एक व्यक्ति ने लिखा या कई व्यक्तियों ने लिखा और एक बार लिखे जाने के बाद सदियों तक इसमें कुछ चीजें जोड़ी जाती रहीं। लेकिन जिसने भी बनाई उसने अपने समय की वास्तविकताओं और जरुरतों के हिसाब से इसे बनाया, जिसका मकसद समाज में व्यवस्था बहाल करना था। एक बार संहिता बन जाने के बाद आगे आने वाली पीढ़ियों की जिम्मेदारी थी कि वे समय की जरुरतों के हिसाब से इसमें सुधार करें या इसे पूरी तरह से खारिज करके नई संहिता बनाएं। भारत में भी तमाम सुधार और बदलाव हुए। इसके बावजूद अगर कुछ चीजें समाज में ऐसी मौजूद हैं, जिनके बीज मनुस्मृति में थे तो वह ग्रंथ लिखने वाले की नहीं, बल्कि समाज की कमी है।

के कामकाज में मनुस्मृति की किसी भी बात का प्रयोग नहीं होता है।

मनुस्मृति का सिर्फ इतना ही मतलब है कि इस ग्रंथ ने प्राचीन भारत के हमारे पूर्वजों को एक रास्ता दिखाया था। यह बताया था कि समाज के संचालन के लिए एक संहिता की जरुरत होती है। यह ठीक उसी तरह था, जैसे मध्य पूर्व में हम्मूराबी की संहिता बनी थी। यह वो समय था, जब समाज को संचालित या नियंत्रित करने के लिए कोई नियम या कानून नहीं थे। उस समय जो सामाजिक व्यवस्था मौजूद थी उसे देखते हुए एक संहिता बनाई गई थी, जिसे लेकर यह विवाद है कि इसे स्वंयभू मनु ने बनाई या भृगु ऋषि ने बनाई, इसे एक व्यक्ति ने लिखा या कई व्यक्तियों ने लिखा और एक बार लिखे जाने के बाद सदियों तक इसमें कुछ चीजें जोड़ी जाती रहीं।

लेकिन जिसने भी बनाई उसने अपने समय की वास्तविकताओं और जरुरतों के हिसाब से इसे बनाया, जिसका मकसद समाज में व्यवस्था बहाल करना था। एक बार संहिता बन जाने के बाद आगे आने वाली पीढ़ियों की जिम्मेदारी थी कि वे समय की जरुरतों के हिसाब से इसमें सुधार करें या इसे पूरी तरह से खारिज करके नई संहिता बनाएं। भारत में भी तमाम सुधार और बदलाव हुए। इसके बावजूद अगर कुछ चीजें समाज में ऐसी मौजूद हैं, जिनके बीज मनुस्मृति में थे तो वह ग्रंथ लिखने वाले की नहीं, बल्कि समाज की कमी है।

सोचें, महज 75 साल पहले बने संविधान में एक सौ से ज्यादा बदलाव हो चुके हैं। बदलते हुए समय की जरुरतों के हिसाब से संविधान को बदला जाता है। लेकिन जब भी संविधान का कोई प्रावधान बदला जाता है तो क्या संविधान बनाने वालों को गालियां दी जाती हैं? उनकी लिखी कोई बात अगर समय की कसौटी पर सही नहीं उतरी तब भी वे सम्मानीय हैं क्योंकि उन्होंने अपने समय की जरुरत के हिसाब से उसे लिखा था।

इसी तर्क से मनुस्मृति लिखने वाले या लिखने वालों को सम्मान क्यों नहीं दिया जाना चाहिए? उन्होंने यह रास्ता दिखाया कि समाज को संचालित और नियंत्रित करने के लिए एक संहिता की जरुरत है, क्या इसके लिए वे सम्मान के पात्र नहीं हैं? इस ग्रंथ में कई बातें मानवाधिकार, स्त्री अधिकार, बाल अधिकार आदि की अवधारणा के अनुकूल नहीं हैं या विरोधाभासी हैं। लेकिन ये अवधारणाएं तो एक सदी पुरानी भी नहीं हैं। इनकी कसौटी बना कर करीब दो सहस्त्राब्दी पहले लिखे गए ग्रंथ का आकलन कैसे किया जा सकता है?

हम्मूराबी की संहिता में भी सैकड़ों ऐसी चीजें हैं, जो आधुनिक अवधारणों की कसौटी पर बहुत खराब हैं। लेकिन इस आधार पर तो हम्मूराबी संहिता लिखने वाले को गाली नहीं दी जाती है। फिर मनुस्मृति लिखने वाले या लिखने वालों को गाली देने का क्या मतलब है? इनके लेखकों ने दुनिया को रास्ता दिखाया है। इन दोनों ग्रंथों का मानव सभ्यता के इतिहास में वही स्थान है, जो आग और पहिए के आविष्कार का है। सोचें, हमारे पूर्वजों ने कैसे पत्थरों को आड़ा तिरछा काट कर पहला पहिया बनाया था और आज हम मिशेलिन टायर्स बना रहे हैं तो क्या हम अपने पूर्वजों को गाली देते हैं कि उन्होंने कैसा पहिया बनाया था?

आज आग जलाने के दर्जनों फैंसी तरीके उपलब्ध हैं लेकिन क्या हम पत्थरों को रगड़ कर आग पैदा करने वाले अपने पूर्वजों को गाली देते हैं? आज आंख के निर्देश पर चलने वाले फोन बन गए तो क्या हम अलेक्जेंडर ग्राहम बेल को गाली दें कि उन्होंने कैसा फोन बनाया था! लेकिन भारत ऐसे कृतघ्न लोगों का देश है, जो छोटे छोटे राजनीतिक फायदे के लिए अपने महान पूर्वजों का अपमान करने में भी नहीं हिचकता है।

मनुस्मृति को लेकर जो दुराग्रह है और उसको जिस तरह से प्रकट किया जाता है उसके पीछे विशुद्ध राजनीतिक मकसद है। असल में कांग्रेस इससे पहले कभी 10 साल तक सत्ता से बाहर नहीं रही है। सो, उसकी बेचैनी बढ़ रही है। तभी उसके नेता सत्ता के लालच में एक प्राचीन ग्रंथ को आधार बना कर सामाजिक विभाजन बढ़ा रहे हैं। जिन लोगों ने मनस्मृति का एक अक्षर नहीं पढ़ा वे इसको गालियां दे रहे हैं और इसको संविधान के बरक्स रख रहे हैं। इस तरह से वे दोनों ग्रंथों का अपमान कर रहे हैं।

राहुल गांधी सारे समय महात्मा गांधी की बात करते रहते हैं लेकिन उन्होंने मनुस्मृति के बारे में गांधी के विचारों को भी नहीं पढ़ा है। गांधी ने बार बार कहा कि इसे गाली देने या जलाने की जरुरत नहीं है। वे कहते थे कि इसकी अच्छी बातों को अपना लो और बुरी बातों को छोड़ दो। लेकिन यह काम तो वह करेगा, जो सत्ता के लोभ में अंधा नहीं हुआ हो।

आतंकवाद वर्तमान विश्व की एक बड़ी समस्या

बलबीर पुंज

एक हालिया पॉडकास्ट में बात करते हुए शिंदे ने कहा, उस समय रिकॉर्ड पर जो आया था, उन्होंने वही कहा था। यह उनकी पार्टी (कांग्रेस) ने उन्हें बताया था कि भगवा आतंकवाद हो रहा। उस समय पूछा गया था तो बोल दिया था भगवा आतंकवादज् यह गलत था। इसी पॉडकास्ट में शिंदे, दिसंबर 2001 के संसद आतंकवादी हमले के दोषी और फांसी पर लटकाए जा चुके जिहादी अफजल गुरु को आतंकी कहने से बचते भी नजर आए।

मिथक हिंदू/भगवा आतंकवाद' सिद्धांत कितनी बड़ी साजिश थी, उसका फिर खुलासा पूर्व केंद्रीय गृहमंत्री सुशील कुमार शिंदे के एक दावे से हो जाता है। एक हालिया पॉडकास्ट में बात करते हुए शिंदे ने कहा, उस समय रिकॉर्ड पर जो आया था, उन्होंने वही कहा था। यह उनकी पार्टी (कांग्रेस) ने उन्हें बताया था कि भगवा आतंकवाद हो रहा। उस समय पूछा गया था तो बोल दिया था भगवा आतंकवादज् यह गलत था। इसी पॉडकास्ट में शिंदे, दिसंबर 2001 के संसद आतंकवादी हमले के दोषी और फांसी पर लटकाए जा चुके जिहादी अफजल गुरु को आतंकी कहने से बचते भी नजर आए।

यह किसी से छिपा नहीं है कि कांग्रेस में पार्टी का अर्थ गांधी परिवार (सोनिया-राहुल-प्रियंका) है। यह चिंतन उस मानसिकता की उपज है, जिसमें इस्लामी आतंकवाद को प्रत्यक्ष-परोक्ष रूप से जायज ठहराने के लिए हिंदू आतंकवाद' रूपी छलावा खड़ा किया गया था। इस साजिश में वामपंथियों और कट्टरपंथी मुस्लिमों के साथ कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व भी शामिल था।

शिंदे के हालिया कबूलनामे से वह कड़वा सच भी एकाएक ध्यान में आता है कि ज्ञान-विज्ञान और पराक्रम जैसे गुणों से सुशोभित होते हुए भी भारत मध्यकाल में लगभग 600 वर्षों तक मुस्लिम और फिर 200 सालों तक अंग्रेजों के अधीन क्यों हो गया था। इतिहास साक्षी है कि यदि व्यक्तिगत खुन्नस के कारण जयचंद, पृथ्वीराज चौहान को धोखा नहीं देता, तो विदेशी आक्रांता मुहम्मद गौरी नहीं जीतता। इसी तरह यदि शाह वलीउल्लाह मराठाओं के खिलाफ अफगान अब्दाली को भारत नहीं बुलाता और प्लासी की लड़ाई में मीर जाफर यदि सिराजुद्दौला को न छलता, तो भारत में अंग्रेजी साम्राज्य संभवतः स्थापित ही नहीं होता। कांग्रेस नीत यूपीए (वर्तमान आईएनडीआईए) कार्यकाल में उसी काले इतिहास को दोहराया गया था।

व्यक्तिगत, राजनीतिक और वैचारिक विरोध के चलते हिंदू/भगवा आतंकवाद' शब्दावली की रचना कर दुनिया में भारत, हिंदू समाज, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, भाजपा और अन्य संगठनों को कलंकित करने का जाल बुना गया। इसकी जड़े 1993 के मुंबई श्रृंखलाबद्ध (12) बम धमाके में मिलती है, जिसमें 257 निरपराध मारे गए थे। तब महाराष्ट्र के तत्कालीन कांग्रेसी मुख्यमंत्री शरद पवार ने आतंकियों की मजहबी पहचान और उद्देश्य से ध्यान भटकाने हेतु झूठ गढ़ दिया कि 13वां' धमाका मस्जिद के पास हुआ था। यह प्रत्यक्ष-परोक्ष रूप से हिंदुओं को आतंकवाद से जोड़ने का प्रयास था। इसी चिंतन को यूपीए-काल (2004-14) में राहुल गांधी के साथ पी.चिदंबरम और सुशील कुमार शिंदे ने बतौर केंद्रीय गृहमंत्री आगे बढ़ाया था।

हद तो तब हो गई, जब कांग्रेसी नेता दिग्विजय सिंह ने वर्ष 2008 के भीषण मुंबई 26/11 आतंकवादी हमले के पीछे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का हाथ बता दिया। यहां तक, दिग्विजय ने इसी हमले में जिहादियों की गोलियों के शिकार हुए मुंबई आतंक निरोधक दस्ते के तत्कालीन प्रमुख हेमंत करकरे की मौत को हिंदूवादी संगठनों से जोड़ने का प्रयास किया था। इस संबंध में तब पाकिस्तानी आतंकवादियों द्वारा हाथों में पवित्र कलावा/मौली को आधार बनाकर कई समाचारपत्रों में आलेख तक प्रकाशित हुए थे। सोचिए, यदि आतंकी कसाब और डेविड हेडली (दाऊद सैयद गिलानी) के जीवित नहीं पकड़े जाते, तो क्या होता?

वास्तव में, यह हिंसा-घृणा के पीड़ितों को अपराधी' और दोषियों को मासूम' बताने की सेकुलरवादी' (लेफ्ट-लिबरल' सहित) साजिश है। 14 फरवरी 1998 को कोयंबटूर में श्रंखलाबद्ध 12 बम धमाकों हुए थे, जिसमें 58 बेकसूरों की मौत हो गई। आतंकवादियों का मुख्य निशाना भाजपा के शीर्ष नेता लालकृष्ण आडवाणी थे, जिन्हें तब चुनाव प्रचार के हेतु कोयंबटूर आना था। परंतु विमान परिचालन में देरी से उनकी जान बच गई। तब कांग्रेस के तत्कालीन शीर्ष नेतृत्व ने न केवल इन बम धमाकों का आरोप संघ पर लगा दिया, बल्कि यहां तक कह दिया- अगर बम भाजपा के अलावा किसी और ने लगाया होता, तो ऐसा करने वाले ने निश्चित रूप से आडवाणी को मार देते। इसी मामले में अदालत द्वारा सैयद अहमद बाशा, फखरुद्दीन, इमाम अली आदि दोषी ठहराए गए थे।

प्रधानमंत्री मोदी के दानवीकरण हेतु इस कुनबे ने फरवरी 2019 के भीषण पुलवामा आतंकवादी हमले, जिसमें 40 सुरक्षाबलों का बलिदान हुआ था- उसे भाजपा द्वारा प्रायोजित' बताने का प्रयास किया था।

विश्वक सेन की मैकेनिक रॉकी का एक्शन से भरपूर ट्रेलर रिलीज

मैकेनिक रॉकी का ट्रेलर रिलीज़ हुआ। विश्वक सेन की मैकेनिक रॉकी का ट्रेलर एक्शन से भरपूर है।

विश्वक सेन की आगामी एक्शन थ्रिलर, मैकेनिक रॉकी, 22 नवंबर को रिलीज़ के लिए तैयार है, और इसका पहला ट्रेलर अभी-अभी रिलीज़ हुआ है, जिससे दर्शकों में और भी ज़्यादा देखने की चाहत पैदा हो गई है।

ट्रेलर, जिसका शीर्षक ट्रेलर 1.0 है, में विश्वक सेन को एक नए अवतार में दिखाया गया है, जिसमें वह एक रहस्यमय अतीत और कौशल के भंडार वाले मैकेनिक की भूमिका निभा रहे हैं। एक्शन सीक्वेंस तीव्र और अच्छी तरह से कोरियोग्राफ किए गए हैं, जो दर्शकों के लिए एक रोमांचक सवारी का संकेत देते हैं। फिल्म में मीनाक्षी चौधरी और श्रद्धा श्रीनाथ के साथ विश्वक सेन की प्रमुख भूमिकाएँ निभाने वाली एक मजबूत महिला उपस्थिति भी है। ट्रेलर में पात्रों के बीच जटिल रिश्तों और पेचीदा गतिशीलता का संकेत दिया गया है, जो कहानी में एक और रहस्य जोड़ता है।

समीक्षकों द्वारा प्रशंसित गामी और एक्शन से भरपूर गैंग्स ऑफ़ गोदावरी के बाद मैकेनिक रॉकी 2024 में विश्वक सेन की तीसरी फ़िल्म रिलीज़ है। गामी की सफलता ने मैकेनिक रॉकी के लिए उच्च उम्मीदें लगाई हैं, और ट्रेलर ने निश्चित रूप से दर्शकों के बीच चर्चा पैदा की है। विश्वक सेन अपनी बहुमुखी प्रतिभा और विविध भूमिकाएँ निभाने की इच्छा के लिए जाने जाते हैं। उनकी आने वाली परियोजनाओं की सूची उनकी प्रतिभा और रेंज को और अधिक प्रदर्शित करने का वादा करती है। वह वर्तमान में राम नारायण द्वारा निर्देशित लैला पर काम कर रहे हैं, जिसमें वह एक अनोखी महिला किरदार में नज़र आएंगे, साथ ही श्रीधर गंटा द्वारा निर्देशित एक एक्शन फ़िल्म और ब्लॉकबस्टर जाथी रत्नालु के लिए जाने जाने वाले अनुदीप केवी के निर्देशन में एक फ़िल्म भी कर रहे हैं।

साउथ अफ्रीका दौरे पर डेब्यू करेंगे ये तीन खिलाड़ी

नई दिल्ली। भारतीय टीम इस समय साउथ अफ्रीका के दौरे पर है। इस दौरे पर सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली टीम इंडिया को चार मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है। इस सीरीज के लिए सेलेक्टर्स ने कुछ युवाओं को टीम में मौका दिया है क्योंकि कई सीनियर और अहम खिलाड़ी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की तैयारी में व्यस्त हैं। भारत के पूर्व कप्तान और कोच अनिल कुंबले को उम्मीद है कि जो युवा खिलाड़ी इस दौरे पर गए हैं उनको डेब्यू का मौका मिलेगा।

जब से सूर्यकुमार यादव भारत की टी20 टीम के नियमित कप्तान बने हैं उसके बाद से ये उनकी तीसरी टी20 सीरीज है। वह अपनी कप्तानी में जीत की हैट्रिक लगाना चाहेंगे।

जलज सक्सेना ने रचा इतिहास, अय्यर और ढुल ने शतक ठोक मचाया कोहराम

नई दिल्ली, तिरुवनंतपुरम में खेले जा रहे रणजी ट्रॉफी इलीट मुकाबले में केरल ने पहले दिन ही उत्तर प्रदेश पर शिकंजा कस दिया।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने वाली यूपी की पूरी टीम पहली पारी में 162 के स्कोर पर ही सिमट गई। जवाब में दिन का खेल समाप्त होने तक केरल ने पहली पारी में 82/2 का स्कोर बना लिया है।

पहली पारी में केरल अब 80 रनों से पीछे है। पहला दिन केरल के ऑलराउंडर जलज सक्सेना के नाम रहा जिन्होंने रणजी ट्रॉफी में 6000 रन और 400 विकेट का डबल लेने वाला पहला क्रिकेटर बनने का गौरव हासिल किया। जलज ने पहली पारी में यूपी के पांच बल्लेबाजों को अपना शिकार बनाया और अपना चौथा विकेट लेते ही उन्होंने ये रिकार्ड अपने नाम कर लिया।

ड्यून प्रोफेसी का ट्रेलर जारी, तब्बू का दिखा दमदार अवतार, जानिए कब और कहां देखें सीरीज

बहुप्रतीक्षित अंतर्राष्ट्रीय शो ड्यूनः प्रोफेसी का ट्रेलर रिलीज हो गया है। कनिंग हैंड, एनाबेलिटा फिल्म्स और लेजेंडरी टेलीविजन द्वारा निर्मित इस शो में तब्बू की मौजूदगी ने भारतीय दर्शकों के बीच उत्साह पैदा कर दिया है। बीते दिन जारी हुए शो के टीजर में सिस्टर फ्रांसेस्का के रूप में तब्बू की एक झलक दिखाई गई थी। वहीं, अब ट्रेलर उनके किरदार और ड्यूड सिस्टरहुड के समग्र तंत्र के बारे में थोड़ी अधिक जानकारी देता है। इसके साथ ही ड्यूनः प्रोफेसी के प्रीमियर की तारीख से भी पर्दा उठ गया है।ड्यूनः प्रोफेसी हाल की ड्यून फिल्मों की घटनाओं से 10,000 साल पहले की कहानी है। यह सीरीज केविन जे एंडरसन और ब्रायन हर्बर्ट द्वारा लिखे गए उपन्यास सिस्टरहुड ऑफ ड्यून से प्रेरित है। यह एक साइंस फिक्शन वेब सीरीज है, जिसमें कुल छह एपिसोड होंगे। सीरीज दो हरकोनेन बहनों (वाल्या और तुला) का अनुसरण करेगी क्योंकि वे मानव जाति के वर्तमान और भविष्य को खतरे में डालने वाली ताकतों से लड़ती हैं। यह प्रसिद्ध संप्रदाय बेने गेसेरिट की स्थापना की उनकी यात्रा पर केंद्रित होगा। दिलचस्प ट्रेलर के साथ-साथ मेकर्स ने शो की रिलीज डेट की भी घोषणा कर दी है।ड्यूनः प्रोफेसी का नया ट्रेलर मुख्य रूप से वाल्या हरकोनेन के रूप में एमिली वॉटसन और तुला हरकोनेन के रूप में ओलिविया विलियम्स पर केंद्रित है। सिस्टर फ्रांसेस्का के रूप में तब्बू पूरे ट्रेलर में छोटी लेकिन आकर्षक प्रस्तुतियां देती हैं, जिससे यह देखना दिलचस्प हो जाता है कि उनका हिस्सा कहानी में कैसे जुड़ जाएगा।ड्यूनः प्रोफेसी अमेरिका में 17 नवंबर को मैक्स पर रिलीज होगी। वहीं, ट्रेलर के साथ, जियो सिनेमा ने खुलासा किया है कि ड्यूनः प्रोफेसी का प्रीमियर भारत में 18 नवंबर को होगा। छह-एपिसोड का सीजन 18 नवंबर को सुबह 6:30 बजे जियो सिनेमा प्रीमियम पर रिलीज होगा, जिसमें हर अगले सोमवार को नए एपिसोड जारी किए जाएंगे।

सिंघम अगेन ने पार किया 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा

पिछले लंबे वक्त अजय देवगन फिल्म सिंघम अगेन को लेकर चर्चा में हैं। उनकी यह फिल्म दिवाली के मौके पर यानी 1 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है।एक्शन से भरपूर इस फिल्म को समीक्षकों के साथ-साथ दर्शकों का बेशुमार प्यार मिल रहा है, जिसके चलते इसने महज 3 दिन में घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा पार कर लिया हैआइए जानते हैं सिंघम अगेन ने तीसरे दिन कितने करोड़ रुपये कमाए। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, सिंघम अगेन ने अपनी रिलीज के तीसरे दिन यानी पहले रविवार को 35 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 121 करोड़ रुपये हो गया है।

भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इतने अंतर से हारेगी सीरीज, रिकी पोंटिंग ने की भविष्यवाणी

नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 22 नवंबर से बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का रोमांच शुरू होगा। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज कप्तान रिकी पोंटिंग ने आगामी सीरीज को लेकर अपना अनुमान बताया है। पोंटिंग ने ऑस्ट्रेलिया को सीरीज जीतने का प्रबल दावेदार ठहराया।

भारतीय टीम को हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने घर में 0-3 का क्लीन स्वीप झेलना पड़ा, जिसके बाद से रोहित शर्मा के नेतृत्व वाली टीम सवालों के घेरे में हैं। भारतीय टीम अपने घर में पहली बार कीवी टीम के हाथों क्लीन स्वीप का शिकार हुई। पोंटिंग ने कहा कि अपने अनुभव और घरेलू परिस्थितियों के फायदे को देखते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम आगामी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 3-1 के अंतर से जीतेगी। पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यु से बातचीत में कहा, "मेरे ख्याल से भारतीय टीम पांच मैचों की सीरीज में कहीं एक टेस्ट जीतेगी। मगर मुझे अब भी लगता है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम स्थिर है और घर में उसे हराना आसान नहीं। इसलिए कंगारू टीम 3-1 से सीरीज जीतेगी।"

एक नजर

कैरम में अरमान, टॉफी रेस में अभिराज रहे अव्वल

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : श्री गुरु रामराय पब्लिक स्कूल पौड़ी की वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिताओं में छात्र-छात्राओं ने बुधवार को दमखम दिखाया। बुधवार को प्रतियोगिताओं का उद्घाटन प्रधानाचार्य मुकेश चंद्र पोखरियाल ने किया। उन्होंने बताया कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए खेल कूद की गतिविधियां जरूरी है। प्रतियोगिता की शुरुआत पूर्व प्राथमिक वर्ग की टॉफी रेस से हुई। जिसमें अभिराज पहले, शिवांशी दूसरे, जयवर्द्धन तीसरे स्थान पर रहे। प्राथमिक वर्ग की 50 मीटर दौड़ में दिव्यांश ने पहला, शिवांश ने दूसरा व आराध्य ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्राथमिक वर्ग की कैरम प्रतियोगिता में अरमान प्रथम, काम्या द्वितीय, दिव्यांशु तृतीय स्थान रहे। बालक जूनियर वर्ग की टेबिल टेनिस में आराध्य, सोहन, स्वराज, बालिका सीनियर वर्ग की टेबिल टेनिस में आकृति चंद्रा, अंशिका व प्रियंका क्रमशः पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।

संयुक्त जन मोर्चा ने उठाई झाड़ी कटान की मांग

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : संयुक्त जन मोर्चा ने खंड शिक्षाधिकारी को ज्ञापन देकर परिसर में झाड़ी कटान की मांग की है। कहा कि खंड शिक्षाधिकारी कार्यालय के आसपास झाड़ियां होने से गुलदार सहित अन्य जंगली जानवर छुपे रहते है, जिस कारण हर समय अनहोनी घटना का खतरा बना रहता है। बुधवार को मोर्चा ने खंड शिक्षाधिकारी को ज्ञापन देकर कहा कि खंड शिक्षाधिकरी कार्यालय परिसर के आस पास उगी झाड़ियों में जंगली जानवरों के छुपने की आशंका बनी हुई हैं। कहा कि पूर्व में इसी क्षेत्र के समीप गुलदार अपने शावकों के साथ देखा गया था। मोर्चा के अध्यक्ष दिनेश बिष्ट ने कहा कि 8 नवंबर को सेवा दिवस मनाया जाना है। उन्होंने खंड शिक्षाधिकारी से जल्द ही यहां पर झाडियों का कटान करने की मांग की है।

मेंढ़क रेस में अक्षिता, अनुज रहे पहले स्थान पर

श्रीनगर गढ़वाल : श्री गुरु राम राय पब्लिक स्कूल श्रीनगर की वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में बुधवार को मेंढक रेस बालिका वर्ग में कक्षा एक की अक्षिता रौथाण प्रथम, दिव्या द्वितीय और चेष्टा तृतीय स्थान पर रहीं। बालक वर्ग में अनुज प्रथम, पूरब द्वितीय व सार्थक बडोनी तृतीय स्थान पर रहे। कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता में कक्षा यूकेजी से बालिका वर्ग में आराध्या नौटियाल प्रथम, आरवी द्वितीय व अनिका पंवार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। चम्मच दौड़ प्रतियोगिता बालिका वर्ग में शिवानी चमोली प्रथम, मानवी बडोनी द्वितीय व अंशिका तृतीय स्थान पर रही। बालक वर्ग में तेजस गोस्वामी प्रथम, आरव द्वितीय व तेजस चौहान तृतीय स्थान पर रहे। कक्षा नर्सरी से टॉफी रेस प्रतियोगिता में बालिका वर्ग में यश्विनी रावत प्रथम, इशिका द्वितीय व याशिका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। (एजेंसी)

भाजपा एक लोकतांत्रिक पार्टी : जितेंद्र रावत

श्रीनगर गढ़वाल : भाजपा श्रीनगर मंडल की बुधवार को संगठनात्मक चुनाव-2024 मंडल कार्यशाला की बैठक अदिति स्मृति न्यास में आयोजित की गयी। बैठक की अध्यक्षता भाजपा मंडल अध्यक्ष जितेंद्र धिरवांण ने की। उन्होंने कहा कि भाजपा एक लोकतांत्रिक पार्टी है जो कि चुनाव करने के पश्चात ही संगठन के विभिन्न पदों पर पदाधिकारी नियुक्ति करती है। जनपद पौड़ी के संगठन चुनाव सह प्रभारी जितेंद्र रावत ने कहा कि पार्टी में सभी कार्यकर्ताओं का समान अधिकार है और जो भी पार्टी हाई कमान का निर्णय होगा उसी के अनुसार जिले में संगठन के चुनाव संपन्न कराए जाएंगे। बैठक में उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष वासुदेव कंडारी, पंकज सती, दिनेश असवाल, मंडल उपाध्यक्ष दिनेश पटवाल, मंडल मीडिया प्रभारी विपेन्द्र सिंह बिष्ट, सौरव पांडे, नरी लाल निर्वेद, सुनीता गैरोला, गुड्डी गैरोला, अंजना दोवाल, रेणु सुंदरीयाल, प्रमिला भंडारी, सुरेंद्र सिंह भंडारी, विनोद बडोनी आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

गोपेश्वर में 11 नवंबर को लगेगा ऋण वितरण कैंप

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : उद्योग विभाग द्वारा जनपद के मुख्य बाजारों में ऋण वितरण कैंपों का आयोजन किया जा रहा है। जानकारी देते हुए जिला उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक विक्रम सिंह कुंवर ने बताया कि बेरोजगार युवाओं को स्वरोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जनपद के मुख्य बाजारों में ऋण वितरण कैंपों का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें उद्योग, कृषि, उद्यान, मत्स्य, उरेड़ा, सहकारिता, पशुपालन, पर्यटन तथा डेयरी विभाग की योजनाओं की जानकारी के साथ योजनाओं में आवेदन भरे जाएंगे।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर धमक रहा हाथी, सावधानी से करें सफर

कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग पर धमका हाथी

बुधवार सुबह सिद्धबली के समीप तिलबाढांग चौकी के समीप पहुंचा हाथी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : यदि आप कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग पर सफर कर रहे हैं तो जरा सावधान हो जाएं। दरअसल, इन दिनों राष्ट्रीय राजमार्ग पर हाथी की धमक बढ़ रही है। आए दिन हाथी राष्ट्रीय राजमार्ग पर पहुंचकर चहल कदमी कर रहे हैं। बुधवार सुबह भी सिद्धबली के समीप तिलबाढांग चौकी के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग पर हाथी धमक रहा था। जिसके कारण राष्ट्रीय राजमार्ग के दोनों ओर लंबा जाम लग रहा। हाथी राष्ट्रीय राजमार्ग पर आगे बढ़ते हुए लोक निर्माण विभाग के स्टोर के समीप से खोह नदी में नीचे उतरा।

राष्ट्रीय राजमार्ग का अधिकांश हिस्सा लैंसडौन वन प्रभाग से सटा हुआ है। यही कारण है कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर आए दिन हाथियों की धमक बनी रहती है। लेकिन, इन दिनों राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक हाथी खूब टहल रहा है। एक सप्ताह से हाथी कोटद्वार से दुगड्डा के बीच पांच किलोमीटर के हिस्से में आए दिन घूमता हुआ दिखाई दे रहा है। बुधवार सुबह भी हाथी लैंसडौन वन प्रभाग के जंगल से निकल कर राष्ट्रीय राजमार्ग पर पहुंच गया। हाथी को देख राष्ट्रीय राजमार्ग से गुजरने वाले वाहन चालक सतर्क हो गए। हालांकि, हाथी के सड़क किनारे होने के कारण वाहनों का संचालन जारी रहा। करीब पौन घंटे बाद हाथी लोक निर्माण विभाग के भंडार गृह की ओर बढ़ा। इस दौरान हाईवे पर वाहनों की आवाजाही ठप हो गई। बाद में हाथी भंडार गृह से नदी की ओर उतर गया और राजमार्ग पर यातायात सुचारू हो गया।

यह बरते सावधानी

राष्ट्रीय राजमार्ग पर हाथी की धमक बढ़ रही है। ऐसे में वाहन चालकों को सावधानी पूर्वक आवागमन करना होगा। प्रत्येक मोड़ पर वाहन को तेज रफ्तार से भगाने के बजाय गति को नियंत्रण में रखें। हाईवे पर हाथी के पहुंचने की सूचना वन विभाग को दें। मार्ग से गुजर रहे हाथी को चिढ़ाने का प्रयास न करें।

अश्लील वीडियो वायरल करने वाला आरोपी गिरफ्तार

पुलिस हिरासत में आरोपी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : युवती का अश्लील वीडियो व फोटो सोशल मीडिया में वायरल करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। फोटो व वीडियो वायरल होने के बाद से युवती भी घर से लापता चल रही थी। जिसकी पुलिस ने सकुशल कोटद्वार से बरामदगी कर ली है। इस संबंध में पैठाणी निवासी युवती के जीजा की ओर से पुलिस को तहरीर दी गई थी। जिसमें उन्होंने बताया था कि पांच नवंबर को उनकी साली बाजार गई हुई थी। लेकिन, देर रात तक भी वह घर लौटकर नहीं आई। दोस्तों व रिश्तेदारों से पूछने पर भी उसका कुछ पता नहीं चल पाया है। तहरीर पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर युवती की तलाश शुरू कर दी थी। बुधवार सुबह पुलिस ने युवती को सकुशल कोटद्वार से बरामद किया। पूछताछ में युवती ने बताया कि उत्तर प्रदेश, नगीना, नजीबाबाद, टांडा मयादास निवासी शहनवाज मिर्जा ने उसकी अश्लील वीडियो व फोटो खींचकर उसे इंटरनेट मीडिया पर वायरल कर दिया है। लोकलज्जा के डर से वह घर से चली गई थी। पुलिस जांच में युवती के बयान सही मिले। जिसके बाद आरोपी शहनवाज मिर्जा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

राज्य स्थापना दिवस पर आयोजित होंगी खेल प्रतियोगिताएं

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर स्पोर्ट्स स्टेडियम अगस्त्यमुनि में विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। उक्त आयोजित प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाली टीमों को मानक के अनुसार सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके अलावा विजेता एवं उप विजेता टीमों को पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

उक्त आशय की जानकारी देते हुए प्रभारी जिला क्रीड़ा अधिकारी मनोज सिंह चैहान ने बताया कि राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर 08 एवं 09 नवंबर को अगस्त्यमुनि खेल मैदान में विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि 08 नवंबर को प्रातः 10 बजे से अंडर-17 बालक वर्ग में कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। 09 नवंबर को प्रातः 7 बजे से अंडर-16 बालक एवं बालिका आयु वर्ग में 03 किमी. तथा ओपन पुरुष व महिला क्रॉस कंट्री दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद प्रातः 10 बजे बालकों हेतु अंडर-17 आयु वर्ग में हैंडबॉल प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि क्रॉस कंट्री दौड़ प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने हेतु प्रतिभागी को जिला क्रीड़ा अधिकारी के कार्यालय में 08 नवंबर की सांय 5 बजे तक आधार कार्ड, हाईस्कूल अंक तालिका अथवा आयु प्रमाण पत्र की प्रमाणित छाया प्रति पंजीकरण हेतु उपलब्ध करानी होगी। अधिक जानकारी के लिए क्रीड़ा अधिकारी के कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है।

वीर सैनिकों के बलिदान को किया याद

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कोटद्वार में 19वीं गढ़वाल राइफल्स के पूर्व सैनिकों ने यूनिट का स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया। इस दौरान देश की रक्षा में बलिदान देने वाले वीर सैनिकों के योगदान को याद किया गया। कहा कि देश की रक्षा के लिए दिया जा रहा सेना का योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। कार्यक्रम का शुभारंभ गौरव सेनानी संगठन के अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह नेगी ने किया। पूर्व सैनिकों ने बलिदानी सैनिकों के चित्रों पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धाजंलि दी। वक्ताओं ने कहा कि एक सैनिक अपने घर से दूर रहकर देश सेवा में लगा रहता है। सेवानिवृत्ति के बाद भी पूर्व सैनिक अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करता रहता है। कहा कि सभी पूर्व सैनिकों को समाज हित में कार्य करना चाहिए। साथ ही देश की एकता व अखंडता के प्रति भी सजग रहना चाहिए। इस मौके पर राम सिंह रावत, जगत सिंह बिष्ट, ताजबर सिंह बिष्ट, जयकृत सिंह रावत, हरपाल सिंह गुसांई, यतेंद्र, मदन सिंह मौजूद रहे।

2018 में हुए धुमाकोट बस हादसे के बाद भी नहीं जागा सिस्टम

बस दुर्घटना में अपनों को खोने के बाद विलाप करते स्वजन

जुलाई 2018 में धुमाकोट क्षेत्र में बमेणीसैंण भौन पीपली मार्ग पर हुआ था हादसा

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : मर्चुला बस हादसें ने सरकारी सिस्टम की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े किए है। सवाल यह भी उठ रहा है कि यदि सिस्टम ने वर्ष 2018 में धुमाकोट के बमेणीसैंण भौन पीपली मार्ग में हुए हादसे से सबक लिया होता तो शायद दोबारा इस तरह का हादसा न होता। दरअसल, धुमाकोट में हुए इस बस हादसे में लगभग 48 लोगों की जान चली गई थी। जिसके बाद सिस्टम ने व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने की बात कही भी। लेकिन, यह व्यवस्थाएं धरातल पर रंग नहीं लाई।

एक जुलाई 2018 को धुमाकोट क्षेत्र में बमेणीसैंण से भौन पीपली मार्ग पर धुमाकोट आ रही जीएमओयू की बस गहरी खाई में जा गिरी थी। तब हादसे में करीब 48 लोगों की मौके पर ही जान चली गई। इस हादसे की वजह तब ओवरलोडिंग और तेज रफ्तार बताई गई थी। इस हादसे के बाद भी धुमाकोट के सुदूरवर्ती क्षेत्र में चलने वाली परिवहन कंपनियों और सरकारी एजेंसियों ने कोई सबक नहीं लिया। हालांकि उस समय व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने की बात कही गई थी। लेकिन, इस पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया गया।

त्योहार व शादी-बारात के समय अधिक हादसे

4 अक्तूबर, 2022 को नैनीडांडा से सटे बीरोंखाल क्षेत्र के सिमड़ी में एक बारात की बस खाई में जा गिरी थी, जिसमें 34 लोगों की जान गई और 19 लोग घायल हुए थे। इस हादसे की वजह भी ओवरलोडिंग और तेज रफ्तार बताई गई। ये इस क्षेत्र के बड़े हादसे हैं, जिनके कुछ दिनों तक सड़क पर खूब सख्ती दिखी। हर चेक पोस्ट पर चेकिंग चली, लेकिन बाद में जस के तस हालात हो गए। ग्रामीण अंचलों में होने वाले ज्यादातर हादसे त्योहार व शादी बरात के सीजन में ही होते हैं। सोमवार को हुए मर्चूला हादसे के पीछे एक बड़ा कारण ग्रामीण क्षेत्रों में समुचित परिवहन सुविधाओं का अभाव भी है। पौड़ी जिले के नैनीडांडा विकासखंड व धुमाकोट तहसील के ज्यादातर लोग रामनगर व कुमांऊ मंडल में निवास करते हैं। जो दीवाली, होली और शादी बारात के सीजन में घर गांव आते जाते हैं। ऐसा ही सोमवार को किनाथ से रामनगर की बस में हुआ। दरअसल, इन दिनों त्योहारी सीजन के कारण बस खचाखच भरकर चली। रामनगर से किनाथ के लिए यह एक मात्र बस सेवा है, जो सुबह 6:00 बजे किनाथ से चलकर 10:00 बजे रामनगर पहुंचती है। यही बस शाम को 3:00 बजे रामनगर से चलकर शाम को करीब साढ़े छह बजे किनाथ गांव पहुंचती है। सुबह की यह बस निकल जाय तो फिर अगले दिन सुबह ही रामनगर के लिए बस मिलती है।

बस दुर्घटना को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाला गिरफ्तार

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : अल्मोड़ा के मर्चुला बस दुर्घटना को लेकर एक मुस्लिम व्यापारी द्वारा आपत्तिजनक टिप्पणी किए जाने पर लोगों ने रोष व्यक्त किया है। बैजरो व धुमाकोट में टिप्पणी करने वाले व्यापारी के खिलाफ प्रदर्शन किया गया। ग्रामीणों ने आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले व्यापारी का पुतला भी दहन किया। इस दौरान पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार भी कर लिया। मर्चुला में हुई बस दुर्घटना को लेकर बैजरो में निर्माण सामग्री सप्लायर मोहम्मद आमीर ने फेसबुक पर एक टिप्पणी की। मोहम्मद आमीर ने बस दुर्घटना के फोटो के ऊपर होम डिलीवरी आपको घर तक, हैप्पी दिवाली लिख उसे फेसबुक पर अपलोड किया। जैसे ही लोगों ने इस पोस्ट को देखा, आमजन में आक्रोश छा गया। कहा कि इस प्रकार की घृणित टिप्पणी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जा सकती व इस टिप्पणी से हिंदुओं की भावनाओं को गहरा आघात लगा है। एक स्वर में आमीर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई। क्षेत्रीय जनता की ओर से इस संबंध में जिलाधिकारी डा. आशीष चौहान को भी ज्ञापन दिया गया। इस मौके पर ज्येष्ठ प्रमुख ललित पटवाल, कनिष्क प्रमुख रेखा देवी, ग्राम प्रधान नरेंद्र, शकुंतला देवी, तेजपाल रावत, संदीप, एपी घिल्डियाल, अनुज नेगी, प्रियांशु, इंद्र सहित अन्य मौजूद रहे। उधर, स्यूंसी-बैजरो में भी मोहम्मद आमीर की दुकान के बाहर क्षेत्रीय लोगों ने प्रदर्शन किया। साथ ही उसका पुतला भी फूंका। क्षेत्रीय जन ने बैजरो बाजार से स्यूंसी तक जुलूस निकाला व नौगांव-स्यूंसी स्थित आमीर की दुकान के बाहर प्रदर्शन किया। लोगों का कहना था कि 35 वर्ष पूर्व मजदूरी के लिए आया आमीर क्षेत्रीय जनता के सहयोग से आज निर्माण सामग्री का सप्लायर बन गया। लेकिन, उक्त टिप्पणी ने उसकी क्षेत्रीय लोगों के प्रति सोच को स्पष्ट कर दिया है। प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट कहा कि क्षेत्र में किसी भी मुस्लिम को नहीं रहने दिया जाएगा। उन्होंने क्षेत्रीय जनों से मुस्लिम व्यापारियों से सामना न खरीदने की भी अपील की। इस मौके पर ज्येष्ठ उप प्रमुख जयदीप सिंह नेगी, ओमपाल बिष्ट, ध्यान पाल सिंह गुसाई, प्रदीप नेगी, संदीप बंगारी सहित कई अन्य मौजूद रहे। उधर, मामले का वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक लोकेश्वर सिंह ने स्वतः संज्ञान लेते हुए थलीसैण थाना प्रभारी को मो. आमीर के खिलाफ मामला दर्ज कर गिरफ्तार करने के निर्देश दिए। जिसके बाद पुलिस ने कोटद्वार रोड, रामनगर निवासी मो. आमीर (हाल निवासी नौगांव, स्यूंसी) के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर बुधवार को उसे नौगांव (स्यूंसी) से गिरफ्तार कर दिया।

डाकघर में बनेगा जीवन प्रमाण पत्र

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : बदरीनाथ मार्ग स्थित मुख्य डाकघर में आईपीपीबी के माध्यम से पेंशनर भोगी कर्मियों का जीवन प्रमाण पत्र (डीएलसी) 31 नवंबर तक बनाया जाएगा। जानकारी देते हुए डाक अधीक्षक दीपक शर्मा ने बताया कि प्रमाण पत्र बनाने के लिए डाकघर में विशेष व्यवस्था बनाई गई है। समस्त विभागों के पेंशन भोगी कर्मचारी डाकघर में पहुंचकर इसका लाभ उठा सकते हैं।

विद्यार्थियों को खेल के प्रति किया जागरूक

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : द्वारीखाल के डाडामंडी में खेल महाकुंभ का शुभारंभ हो गया है। प्रतियोगिता में न्याय पंचायत सिरांई के समस्त विद्यालय प्रतिभाग कर रहे हैं। इस दौरान शिक्षकों ने विद्यार्थियों को खेल के प्रति जागरूक किया।

आयोजित खेल महाकुंभ का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य रमाकांत डबराल व ग्राम प्रधान चंद्रमोहन सिंह चौधरी ने किया। सर्वप्रथम अंडर-17 की बालक वर्ग की दौड़ प्रतियोगिता आयोजित की गई। सौ मीटर दौड़ में विकास रावत, दो सौ मीटर दौड़ में कृष्णा रावत, चार सौ मीटर दौड़ में प्रियांशु सिंह, आठ सौ मीटर दौड़ में कृष्णा रावत, 15 सौ मीटर दौड में अमन रावत ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

अंडर-14 बालक वर्ग में 60 मीटर की दौड़ में अनुज कुमार, छह सौ मीटर दौड़ में देवांश नेगी, लंबी कूद में अनुज कुमार, ऊंची कूद में आर्यन, गोला फेंक में नैतिक देवरानी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में साठ मीटर दौड़ व लंबी कूद में सोनाक्षी प्रथम रही। कबड्डी प्रतियोगिता में राजकीय इंटर कालेज द्वारीखाल प्रथम रहा।

अंडर-17 बालिका वर्ग में सौ व दो सौ मीटर की दौड़ में सुमिरन, चार सौ मीटर दौड़ में तनिषा, लंबी कूद में ममता, चक्का फेंक में श्रेया, गोला फेंक में ऋतु ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग की कबड्डी में राजकीय कन्या उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय बासिंझाना की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

ब्लाक स्तरीय खेल महाकुम्भ 9 को

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : प्रांतीय रक्षक दल द्वारा बीरोंखाल विकासखंड स्तरीय खेल महाकुम्भ प्रतियोगिता राजकीय पॉलीटेक्निक बीरोंखाल में 9 नवंबर शनिवार को आयोजित की जाएगी।

क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी महेश राठौर ने बताया कि प्रतियोगिता में सभी इंटर कॉलेज, युवा मंगल दल, बाल मंगल दल भाग ले सकते हैं।

फर्जी दस्तावेजों से 36 .50 करोड़ का कर्जा लेने पर गन्ना प्रबंधक समेत दो गिरफ्तार

झबरेड़ा (हरिद्वार)। इकबालपुर चीनी मिल प्रबंधन की ओर से 724 किसानों के फर्जी दस्तावेज तैयार कर 36.50 करोड़ रुपये का कृषि ऋण लेने के मामले में लक्सर चीनी मिल में गन्ना प्रबंधक पवन ढींगरा और शाकुंभरी चीनी मिल बेहट सहारनपुर (उत्तर प्रदेश) में एकाउंटेंट उमेश शर्मा को गिरफ्तार किया गया है। दोनों इकबालपुर चीनी मिल में तैनात रह चुके हैं। करोड़ों की इस धोखाधड़ी में पंजाब नेशनल बैंक के तत्कालीन प्रबंधक की मिलीभगत भी सामने आई है। पुलिस अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है।

विकास के नाम पर जनता को ठग रही सरकार

कोटद्वार में आक्रोश रैली निकालते कांग्रेसी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : विकास के नाम पर जनता को ठगने का आरोप लगाते हुए जिला कांग्रेस कमेटी ने प्रदेश सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। कहा कि कोटद्वार, यमकेश्वर में जनता विकास की राह देख रही है। हालत यह है कि मूलभूत सुविधाओं के अभाव में ग्रामीण पलायन को मजबूर हो रहे हैं। कांग्रेसियों ने लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग, मेडिकल कालेज, केंद्रीय विद्यालय, मोटर नगर बस अड्डा, ट्रैचिंग ग्राउंड सहित अन्य व्यवस्थाओं में सुधार नहीं होने पर भी रोष व्यक्त किया। बुधवार को जिलाध्यक्ष विनोद डबराल के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मलवीय उद्यान से शहर की सड़कों पर आक्रोश रैली निकाली। इसके बाद उपजिलाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन भेजा गया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग पर निर्माण कार्य जारी था, लेकिन प्रदेश में भाजपा सरकार आते ही निर्माण कार्य बंद हो गया। कहा कि मेडिकल कालेज के लिए भी बजट की पूरी व्यवस्था के साथ कार्य प्रारंभ हो गया था, लेकिन अब भाजपा सरकार ने राजनीतिक पेंच फंसा कर मेडिकल कालेज को ठंडे बस्ते में डाल दिया है। कण्वाश्रम के समग्र विकास को जान बूझकर लटकाया जा रहा है। नगर निगम बनने के बाद भी अभी तक प्रदेश सरकार की तरफ से कूड़ा निस्तारण की समुचित व्यवस्था नहीं की गई है। कोटद्वार, यमकेश्वर व लैंसडौन विधानसभाओं में चिकित्सकों की भारी कमी के चलते स्वास्थ्य सेवाएं बदहाल हो रखी है। राज्यपाल से विधानसभाओं में रूके हुए विकास कार्यों को शुरू करवाने के लिए प्रदेश सरकार को निर्देशित करने की मांग की है। इस मौके पर रंजना रावत, बलवीर सिंह रावत, सुधा असवाल, मधु शर्मा, हसीना बेगम, शहनाज शम्सी, बीरेंद्र सिंह रावत, गोपाल गुसांई, प्रेम सिंह पयाल, नरेंद्र सिंह नेगी, तीरथ सिंह रावत, कृष्ण चंद्र खंतवाल, महावीर नेगी, सूरबीर खेतवाल मौजूद रहे।

नशा नहीं बेहतर भविष्य चुने युवा व विद्यार्थी

कोटद्वार के मेहरबान सिंह कंडारी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज में आयोजित कार्यक्रम में विचार रखते सत्यप्रकाश थपलियाल

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कालाबड़ स्थित मेहरबान सिंह कंडारी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज में उत्तराखंड लोक साहित्य एवं सांस्कृतिक मंच की ओर से एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें समाज में बढ़ रहे नशे की प्रवृत्ति को रोकने के लिए छात्रों को प्रेरित किया गया।

इस दौरान छात्रों को नशे से दूर रहकर बेहतर भविष्य पर ध्यान देने की सीख दी गई। विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए संस्था के अध्यक्ष सत्यप्रकाश थपलियाल ने समाज में बढ़ते नशे के प्रति चिंता जताई। कहा कि नशा जीवन की दुर्दशा के लिए पूरी तरह से जिम्मेदार है। सभ्य समाज में नशे का कोई स्थान नहीं होना चाहिए। कहा कि बलिदानियों के त्याग व तपस्या से राज्य का गठन हुआ है, लेकिन बढ़ते नशे के चलते राज्य पतन की ओर अग्रसर हो रहा है। उन्होंने कहा कि नशे की रोकथाम करने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होनी चाहिए। उन्होंने छात्रों से नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाने का भी आग्रह किया। इस मौके पर प्रधानाचार्य चंदन सिंह नकोटी, प्रकाश कोठारी, पीएल खंतवाल, जनार्दन ध्यानी, मयंक बड़थ्वाल, सरिता खर्कवाल, मनोहर प्रसाद मौजूद रहे।

उत्तर रेलवे

गति शक्ति मल्टी मोडल कार्गो टर्मिनल (ई0ओ0आई0) के लिए सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/एफएस, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से जीसीटी योजना के तहत मुरादाबाद मंडल के रोजा स्टेशन के नज़दीक पूर्व बट वेल्डिंग प्लांट में रेलवे की भूमि पर गति शक्ति मल्टी मोडल कार्गो टर्मिनल की स्थापना के लिए ईओआई (रूचि की अभिव्यक्ति) आमंत्रित करते हैं, जो संख्या 2021/टीसी (एफएम)/18/23 दिनांक 06.12.2022 द्वारा जारी जीसीटी नीति के अनुसार है। पात्र और इच्छुक पार्टियां मुरादाबाद मंडल के उपरोक्त स्थान के लिए अपनी रूचि प्रस्तुत कर सकते हैं। प्रस्तुत की गयी अभिव्यक्ति की जांच की जाएगी और यदि व्यवहार्य पाया जाता है तो आवेदक के प्रस्ताव को व्यवहार्यता प्रदान की जाएगी। इच्छुक पार्टियों से अनुरोध है कि वे अपने संबंधित ईओआई में प्रस्तावित जीसीटी की अनुमानित रेल यातायात क्षमता और इसकी वाणिज्यिक व्यवहार्यता भी निर्दिष्ट करें। उपरोक्त स्थान के कॉर्डिनेट निम्न हैं 27°51'31"N 79°56'52"E

अधिक जानकारी के लिए उत्तर रेलवे की वेबसाइट www.nr.indianrailways.gov.in देखें या 9760534973 पर संपर्क करें।

ईओआई जमा करने की अंतिम तिथि : 06 दिसम्बर 2024 को 15:00 बजे तक।

3447/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/मुख्यालय/मुरादाबाद द्वारा ई–टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

Tender No. Date	220-DRM-MB-24-25 dt. 05.11.2024	221-DRM-MB-24-25 dt. 05.11.2024	222-DRM-MB-24-25 dt. 05.11.2024
Name of Work	Safety related miscellaneous track activities in the section of SSE/P.Way/RG under ADEN/CH.	Safety related miscellaneous track activities in the section of SSE/P.Way/RJK under ADEN/CH.	Safety related miscellaneous track activities in the section of SSE/P.Way/CH under ADEN/CH.
Tender Closing Date, Time	29.11.2024	29.11.2024	29.11.2024
Advertised Value (Rs.)	74,99,845.76	59,99,999.81	69,99,999.83
Earnest Money (Rs.)	1,50,000.00	1,20,000.00	1,40,000.00
Tender Cost (Rs.)	00.00	00.00	00.00
Bidding Start Date	15.11.2024	15.11.2024	15.11.2024
Period of Completion	07 Months	07 Months	07 Months

पत्रांक: 75-W/2/3/WA/Publication दिनांक: 05.11.2024 3438/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

एक नजर

देहरादून सैलानियों की पहली पसंद

देहरादून। हिमालय की तलहटी में बसी दून घाटी में कुदरत ने अपनी नेमत जमकर बिखेरी है। यहां के पर्यटन स्थल सैलानियों को बरबस ही अपनी ओर खींच लाते हैं।

प्राकृतिक पर्यटन के साथ ही देहरादून धार्मिक, साहसिक और वन पर्यटन का भी केंद्र है। यही वजह है कि देहरादून आने वाले पर्यटकों की संख्या में हर साल इजाफा हो रहा है। पर्यटन विभाग के आंकड़ों पर नजर डाले तो पिछले साल के मुकाबले इस साल हर महीने पर्यटकों की संख्या बढ़ी है। वहीं मसूरी और ऋषिकेश में भी पर्यटकों का सैलाब उमड़ रहा है।

पर्यटन विभाग आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2023 में 61,13,424 देशी और 26,262 विदेशी पर्यटकों ने देहरादून का रुख किया था। वहीं इस साल सितंबर माह तक 47,34,666 देशी और 20,702 विदेशी पर्यटक देहरादून पहुंचे हैं। इसी तरह वर्ष 2023 में 14,69,663 देशी और 2,261 विदेशी पर्यटक पहाड़ों की रानी मसूरी पहुंचे थे।

अल्मोड़ा बस हादसे से उत्तराखंड सरकार ने लिया सबक

देहरादून। अल्मोड़ा में हुई बस दुर्घटना के बाद राज्य सरकार ने प्रदेश में पर्वतीय मार्गों पर व्यावसायिक वाहनों की अधिकतम आयु–सीमा निर्धारित करने का निर्णय कर लिया है। संयुक्त परिवहन आयुक्त सनत कुमार सिंह के अनुसार पर्वतीय मार्गों पर व्यावसायिक वाहनों की आयु–सीमा निर्धारित करने के लिए केंद्र सरकार को पत्र भेजा गया है। इसमें यह आग्रह किया गया है कि आयु–सीमा निर्धारित करने के लिए राज्य सरकार को अधिकृत किया जाए।

सरकार ने पूर्व में आयु–सीमा निर्धारित की थी, लेकिन उच्च न्यायालय ने ट्रांसपोर्टरों की अपील पर सरकार का आदेश यह हवाला देते हुए निरस्त कर दिया था कि राज्य सरकार को आयु–सीमा निर्धारित करने का अधिकार नहीं है। इसलिए राज्य सरकार प्रदेश की भौगोलिक परिस्थितियों का हवाला देकर केंद्र सरकार से विशेष अनुमति देने का आग्रह किया गया है।

बता दें कि, दुर्घटना के बाद 'दैनिक जागरण' ने प्रदेश में व्यावसायिक वाहनों की आयु–सीमा निर्धारित न होने से खटारा बसों के पर्वतीय मार्गों पर बेरोकटोक दौड़ने का समाचार मंगलवार के अंक में प्रकाशित किया था। इसमें यह भी बताया गया था कि परिवहन निगम की बसों के लिए अधिकतम आयु–सीमा व किमी के मानक निर्धारित हैं लेकिन निजी बसों के लिए कोई मानक नहीं हैं।

घर के पास मिलेगी पासपोर्ट सेवा, नई टिहरी पहुंचेगी वैन

देहरादून। दूर दराज के क्षेत्रों में नागरिकों के घर के पास पासपोर्ट सेवा उपलब्ध कराने के लिए शुरू की गई मोबाइल सेवा ने काम करना शुरू कर दिया है। इस क्रम में क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय देहरादून की मोबाइल वैन 22 और 23 नवंबर को नई टिहरी में अपनी सेवा देगी। दो दिवसीय शिविर के तहत नागरिक विकास भवन में पासपोर्ट के आवेदन की प्रक्रिया को संपन्न करा सकते हैं। दो दिन में प्रत्येक दिवस पर 50 अप्वाइंटमेंट स्वीकार किए जाएंगे। क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी विजय शंकर पांडे के मुताबिक नई टिहरी में लगने वाले दो दिवसीय शिविर में पासपोर्ट के नए और नवीनीकरण (री इश्यू) के ऑनलाइन भरे गए आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। शिविर का लाभ लेने के लिए नागरिक ऑनलाइन अपॉइंटमेंट प्राप्त कर सकते हैं।

अल्मोड़ा में 652 किमी लंबी सड़कों का नहीं हुआ रोड सेफ्टी ऑडिट

अल्मोड़ा। रोड सेफ्टी ऑडिट एक विस्तृत विश्लेषण है जो सड़कों की सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए किया जाता है। दुर्घटनाओं को कम करना और सड़कों की सुरक्षा में सुधार करने के लिए प्रतिवर्ष रोड सेफ्टी आडिट करती है। लेकिन इसकी ओर ना तो सरकार का ना ही संबंधित विभाग की कोई रूचि दिखाई दे रही है।

जिले में 1416.513 किमी लंबी सड़क है। दो वर्षों में केवल 754.602 किमी लंबी सड़क का ही ऑडिट हो पाया है। इस वित्तीय वर्ष में 652 किमी लंबी सड़कों का ऑडिट होना था, जिस पर अभी तक कोई कार्य नहीं हुआ है।

पहाड़ की सर्पीली सड़कों पर अक्सर दुर्घटनाएं होते रहती है। इन दुर्घटनाओं को रोकने के लिए प्रतिवर्ष संबंधित विभाग सड़क का निरीक्षण कर उसकी स्थिति, डिज़ाइन, और रखरखाव का मूल्यांकन करता है।

खेलों से होता है शारीरिक और मानसिक विकास : डबराल

एसजीआरआर लालपानी में शरदकालीन खेल प्रतियोगिता शुरू

50 मीटर रेस में प्रतिभाग करते हुए छात्र।

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : सनेह क्षेत्र के अन्तर्गत श्री गुरू राम राय पब्लिक स्कूल में शरद कालीन क्रीडा प्रतियोगिता शुरू हो गई है। इस दौरान विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

बुधवार को खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ प्रधानाचार्य विभाकर डबराल ने माँ सरस्वती के चित्र के समीप दीप प्रज्जवलित कर किया। प्रधानाचार्य ने छात्रों से खेल भावना के साथ प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने की अपील की। कहा कि खेल जीवन का अभिन्न अंग हैं। खेलों से मानसिक और शारीरिक विकास होता है। खेलों में हिस्सा लेने से आत्मविश्वास तो बढ़ता ही है साथ ही टीम भावना व प्रतियोगिता की भावना का भी विकास होता है। शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भाग जरूर लेना चाहिए। आज खेल क्षेत्र में भी रोजगार के सुनहरे अवसर हैं। इस मौके पर स्कूल कैप्टन अतुल्य भारद्वाज ने छात्र-छात्राओं को शपथ दिलाई। इस मौके पर नर्सरी क्लास की टॉफी रेस में वैष्णवी ने प्रथम, अर्थव नेगी ने द्वितीय, अनुभी पुंडीर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। एलकेजी क्लास की फ्रोग रेस में रियांश रावत, कार्तिकेय, रियांश बिष्ट क्रमशः पहले, दूसरे, तीसरे स्थान पर रहे। यूकेजी 50 मीटर रेस में वंश ने प्रथम, शिवांश ने द्वितीय, अनुराग ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं प्राइमरी वर्ग की बुक रेस में आर्यभट्ट हाउस पहले स्थान पर रहा। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक, शिक्षिकाएं एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

डीएम ने किया ईवीएम वेयर हाउस का निरीक्षण

जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ईवीएम वेयर हाउस का निरीक्षण करते हुए।

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने छतरीधार स्थित ईवीएम वेयर हाउस का मासिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने भारत निर्वाचन आयोग के मानक के अनुरूप वेयर हाउस में व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। डीएम ने डबल लॉक, फायर अलार्म, सीसीटीवी कैमरे सहित अन्य को चेक करते हुए संतुष्टि व्यक्त की। निरीक्षण के दौरान सहायक निर्वाचन अधिकारी शांति लाल शाह व अन्य उपस्थित थे।

राज्य आमंत्रण वालीबॉल प्रतियोगिता शुरू, देहरादून और पौड़ी ने जीते मैच

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : खेल विभाग चमोली द्वारा स्पोर्ट्स स्टेडियम गोपेश्वर में बालिका ओपन वर्ग की राज्य आमंत्रण वालीबॉल प्रतियोगिता बुधवार से शुरू हो गई है। प्रतियोगिता के उद्घाटन मैच में देहरादून ने चम्पावत को 2-0 से, द्वितीय मैच में पौड़ी ने चमोली को 2-1 से पराजित कर अगले चरण में प्रवेश किया। प्रतियोगिता 9 नवंबर को संपन्न होगी। बालिका ओपन वर्ग की राज्य आमंत्रण वालीबॉल प्रतियोगिता में जनपद उधमसिंहनगर, हल्द्वानी, अल्मोड़ा, देहरादून, पौड़ी, बागेश्वर, उत्तरकाशी, नरेन्द्रनगर टिहरी, हरिद्वार, टनकपुर (चम्पावत) एवं एवं सिटी क्लब ऋषिकेश तथा जनपद चमोली सहित कुल 12 टीमें प्रतिभाग कर रही हैं। प्रतियोगिता लीग कम नॉक आउट पद्धति के आधार आयोजित की जा रही हैं। प्रतियोगिता का शुभारम्भ मुख्य अतिथि परियोजना निदेशक आनन्द सिंह एवं विशिष्ट अतिथि हेम पुजारी द्वारा किया गया। मैचों में निर्णायकों की भूमिका में कमल किशोर सिंह, रमेश पंखोली, नवीन कुवंर, बलदेव कुमार, दीपक तिवारी, अतुल कुमार तथा स्कोरर श्रीमती रश्मि बिष्ट, संतोषी चौहान, हेमा नयाल, संगीता नेगी, शिवानी रावत रहे।

दौड़ में वैष्णवी, सोनम, निकिता ने मारी बाजी

विकासखंड स्तरीय खेल महाकुंभ 2024 शुरू

विजेता छात्राओं को पुरस्कृत करते हुए मुख्य अतिथि।

जयन्त प्रतिनिधि।

थलीसैंण : युवा कल्याण विभाग पाबौ के द्वारा खड़ेश्वर मैदान पाबौ में विकासखंड स्तरीय खेल महाकुंभ 2024 शुरू हो गया है। विकासखंड स्तरीय अंडर-17 बालक-बालिकाएं, अंडर-14 कबड्डी, खो-खो, अंडर-20 कबड्डी, खो-खो, एथलेटिकस, ऊंची कूद, लंबी कूद, गोला फेंक, चक्का फेंक आदि की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी।

महाकुंभ का शुभारंभ मुख्य अतिथि विमल नेगी मंडल महामंत्री भाजपा, खंड विकास अधिकारी धूम सिंह कोहली, विशिष्ट अतिथि ग्राम प्रधान हरेंद्र कोहली, जिला पंचायत सदस्य कालौं श्रीमती पुष्पा देवी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया। 800 मीटर दौड़ बालिका वर्ग में संमिदा, कंचन, खुशी, लंबी कूद अंडर-14 बालिका वर्ग में श्रेया भंडारी, निधि, दिव्या, 60 मीटर दौड़ बालिका वर्ग अंडर-14 में वैष्णवी, अष्मिता, शिया रावत, 600 मीटर दौड़ बालिका वर्ग अंडर-14 में सोनम, काजल, सुहाना ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। 100 मीटर दौड़ बालिका वर्ग में निकिता पहले, महक रावत दूसरे स्थान पर रही। इस मौके पर क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी भगवान सिंह गुसांई, राकेश कठैत, विनोद रावत, जयपाल नेगी, प्रवीण, रोहित, पंकज, संजय नेगी, सतीश, अभिषेक, प्रशांत चंद्र, प्रमोद, प्रदीप आदि मौजूद थे।

सड़क मार्ग पर बॉटलनेक प्वॉइट, नए पार्किंग स्थल चयन और ओवरलोडिंग के विरूद्ध करें कार्रवाई

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने बुधवार को जिले में यातायात प्रबंधन को लेकर समीक्षा बैठक ली। उन्होंने जनपद में सुगम यातायात व्यवस्था के लिए सड़कों पर बॉटलनेक प्वॉइटों को चिन्हित करने, सड़कों पर अवरोधक बनें विद्युत पोल को शिफ्ट करने और वाहन पार्किंग के लिए नए स्थलों को चिन्हित करने के निर्देश दिए। कहा कि स्कूल बसों में भी ओवरलोडिंग पाए जाने पर सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाए। मैकेनिकल वर्कशॉप के आगे सड़क पर भी वाहनों का जमावडा न हो इसका भी ध्यान रखा जाए।

जिलाधिकारी ने सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि सड़क निर्माणदायी संस्थाओं के साथ यातायात मार्ग पर संयुक्त निरीक्षण करते हुए बॉटलनेक प्वॉइटों को चिन्हित किया जाए और बॉटलनेक स्थानों पर उजागर कमियों को दूर करें। यातायात मार्गों पर अवरोधक बने विद्युत पोल, दुकानें, फंड, रेहडी और अनियमित रूप से खडे वाहनों को शिफ्ट कराया जाए। नगरीय क्षेत्रों में नालियों में जाली लगाकर सड़क को चौड़ा बनाने के लिए आंगणन तैयार किया जाए। जिले में नए वाहन पार्किंग स्थानों को चिन्हित करते हुए पार्किंग निर्माण हेतु प्रस्ताव तैयार करें। स्वीकृत एवं निर्माणाधीन पार्किंग कार्यों को तेजी से पूरा किया जाए। नगरीय क्षेत्रों में वाणिज्यिक संस्थानों को अपनी पार्किंग को प्रयोग में लाने हेतु स्पष्ट निर्देश जारी करें। रेहडी-ठेली वालों के लिए मोबाईल वेंडिग जोन निर्धारित किए जाए। दुर्घटना सभांवित क्षेत्रों में क्रैश बैरियर, फैराफिट एवं सड़क सुधारीकरण का कार्य किया जाए। जिलाधिकारी ने परिवहन अधिकारी और ट्रैफिक पुलिस को निर्देशित किया कि वाहनों की फिटनेस और ओवरलोडिंग वाहनों की नियमित चेकिंग की जाए। दूरस्थ क्षेत्रों में राजस्व निरीक्षक के माध्यम से वाहनों की चेकिंग कराई जाए। किसी रूट पर नई बस संचालन करने की आवश्यकता है तो इसका प्रस्ताव उपलब्ध करें। बैठक में सहायक सभागीय परिवहन अधिकारी ज्योति शंकर मिश्र, लोनिवि के अधिशासी अभियंता राजवीर सिंह चौहान, अधिशासी अभियंता विद्युत प्रदीप शर्मा, अधिशासी अभियंता ग्रामीण निर्माण अला दिया, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका गोपेश्वर मानवेन्द्र सिंह सहित वर्चुअल माध्यम से सभी उप जिलाधिकारी, सड़क निर्माणदायी संस्थाओं के अधिकारी एवं नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी मौजूद थे।

पं0 जीपी नौटियाल पत्रकार सम्मान से सम्मानित होंगे वरिष्ठ पत्रकार क्रांति भट्ट

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : 72वें राजकीय औद्योगिक विकास एवं सांस्कृतिक गौचर मेले में इस वर्ष वरिष्ठ पत्रकार क्रांति भट्ट को पं0 गोविन्द प्रसाद नौटियाल पत्रकार सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। क्रांति भट्ट द्वारा हिमालय क्षेत्र में पत्रकारिता के माध्यम से प्रख्यात लेखन एवं गौचर मेले के संस्थापक पं0 गोविन्द प्रसाद नौटियाल के सपनों को पूरा करने का अद्वितीय प्रयास करने पर स्मृति समिति द्वारा उनका चयन किया गया है। स्मृति समिति के सचिव भुवन नौटियाल ने बताया कि यह सम्मान प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कर कमलों से गौचर मेले के उद्घाटन के अवसर पर 14 नवंबर 2024 को मेला पंडाल में प्रदान किया जाएगा। वरिष्ठ पत्रकार क्रांति भट्ट ने पत्रकारिता जगत में उल्लेखनीय योगदान दिया है। राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय पत्र पत्रिकाओं में उनके आलेख, रिपोर्ट और शोध आलेख प्रकाशित हुए है। पत्रकारिता के लिए विभिन्न मंचों, संगठनों, सामाजिक, शिक्षा, संस्कृति, सनातन कार्य क्षेत्र में लगे संगठनों से पुरस्कृत हो चुके है। श्री भट्ट किशोर न्याय बोर्ड में सदस्य रहे। चमोली जिला रेडक्रास सोसायटी में तीन वर्षों तक अध्यक्ष पद पर कार्य किया। 10 वर्षों तक लगातार चमोली जिला उपभोक्ता फोरम में सदस्य और इस अवधि में कुछ समय के लिए रुद्रप्रयाग के जिला उपभोक्ता फोरम में सदस्य पद का अतिरिक्त दायित्व भी संभाला।

देहरादून में दिन का तापमान कम होने से गुलाबी ठंडक का अहसास

देहरादून। दून में सुबह से धूप खिलने के बाद दोपहर के बाद आंशिक बादल मंडराने लगे और हल्की हवाएं भी चलीं। इस बीच पारे में भी 24 घंटे में एक डिग्री सेल्सियस की कमी दर्ज की गई। अब दून का अधिकतम तापमान भी 30 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच गया है। हालांकि, यह अब भी सामान्य से अधिक है। आज दून में सुबह कुहासा व धुंध छाने के आसार हैं। दिन में शुष्क मौसम के बीच धूप खिली रह सकती है।

उत्तराखंड में पर्वतीय क्षेत्रों में बादल मंडरा रहे हैं। ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की वर्षा और हिमपात के आसार बने हुए हैं। हालांकि, मैदानी क्षेत्रों में शुष्क मौसम के बीच चटख धूप खिल रही है। जिससे अभी अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक बने हुए हैं। जबकि, सुबह–शाम ठंडक बढ़ रही है। पहाड़ों में ठिठुरन बढ़ गई है और दिन का तापमान सामान्य से नीचे पहुंचने लगा है।

पहाड़ों पर ठिठुरन बढ़ने के आसार

मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह के अनुसार, आज प्रदेश के ज्यादातर क्षेत्रों में मौसम शुष्क रहने के आसार हैं। कहीं–कहीं आंशिक बादल छाये रह सकते हैं। मध्यम हवा चलने से पहाड़ों में ठिठुरन बढ़ सकती है। पारे में मामूली गिरावट आ सकती है।

घरेलू विवाद की पीड़ित महिलाओं का सहारा बन रहा वन स्टॉप सेंटर

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : चमोली जिले में सरकार की ओर से महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग के माध्यम से संचालित वन स्टॉप सेंटर घरेलू विवादों से पीड़ित महिलाओं का सहारा बन रहा है। चमोली के वन स्टॉप सेंटर अब तक पंजीकृत 237 मामलों में से 231 का निस्तारण किया जा चुका है। जबकि 6 मामालों पर कार्रवाई गतिमान है।

सरकार की ओर से महिलाओं के साथ होने वाली घरेलू हिंसा को देखते हुए वर्ष 2019 में महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग के माध्यम से वन स्टॉप सेंटर का संचालन शुरु किया था। सेंटर के माध्यम से घरेलू हिंसा से पीड़ित महिलाओं का आवास, भोजन और

चिकित्सा सुविधा देने के साथ परामर्श, विधिक सहायता देने का कार्य किया जा रहा है। जिससे घरेलू विवादों से परेशान महिलाओं को विवादों के निस्तारण का सशक्त माध्यम मिला है। चमोली में संचालित वन स्टॉप सेंटर की केंद्र प्रशासक रश्मि रावत ने बताया कि केंद्र में वर्ष 2019 से वर्तमान तक 237 घरेलू हिंसा और विवाद के मामले पंजीकृत हुए हैं। जिनमें से वर्तमान तक 231 मामलों का निस्तारण कर लिया गया है। जबकि 6 मामलों पर कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में वन स्टॉप सेंटर के स्थाई भवन रैली-ग्वाड़ में निर्माणाधीन है। जल्द ही भवन निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद केंद्र का संचालन स्थाई भवन पर शुरु कर दिया जाएगा।

वन स्टॉप सेंटर में पीड़िता को मिलती हैं ये सुविधाएं

सरकार की ओर से सेंटर के संचालन के लिए एक प्रशासक, एक अधिवक्ता, दो केस वर्कर, 1 पैरा मेडिकल और एक तकनीकी सहायक की तैनाती की गई है। सेंटर में पीड़िता को आवास, भोजन और चिकित्सा की सुविधा दी जाती है।

केदारनाथ यात्रा की जिम्मेदारी निभाने के बाद स्वच्छता अभियान में जुटा प्रशासन

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : श्री केदारनाथ धाम यात्रा का सफल एवं व्यवस्थित संचालन करने के बाद अब जिला प्रशासन धाम एवं यात्रा मार्ग की स्वच्छता व्यवस्था में जुट गया है। जिलाधिकारी सौरभ गहरवार के निर्देशन एवं निगरानी में केदारपुरी सहित पैदल यात्रा मार्ग पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। स्वच्छता अभियान के तहत प्लास्टिक कचड़ा, जैविक कूड़ा एवं वेस्ट मैटीरियल का निस्तारण जाएगा। जिला प्रशासन की मंशा है कि पर्यावरण को होने वाले अनावश्यक नुकसान को कम किया जा सके साथ ही बर्फबारी से पहले सभी वेस्ट मैटीरियल निस्तारित हो जाए जिससे अनावश्यक गंदगी कहीं भी न फैले एवं अगले वर्ष यात्रा मार्ग पर स्वच्छता व्यवस्था पहले से दुरुस्त रहे।

श्री केदारनाथ धाम यात्रा 2024 को लेकर जिलाधिकारी सौरभ गहरवार द्वारा किए गए कार्यों की लगातार प्रशंसा हो रही है। यात्रा मार्ग एवं यात्रा को सुगम एवं सफल बनाने के लिए इस वर्ष जिला प्रशासन द्वारा किए गए नए प्रयोग एवं कार्यों ने एक अलग छाप छोड़ी है। यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं से लेकर स्थानीय लोगों एवं व्यापारियों ने जिला प्रशासन के कार्यों को सराहा है। इसी क्रम में जिलाधिकारी ने श्री केदारनाथ धाम के कपाट बंद होने के तुरंत बाद केदारपुरी सहित सम्पूर्ण पैदल यात्रा मार्ग पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाने के निर्देश नगर पंचायत केदारनाथ एवं सुलभ इंटरनेशनल को दिए हैं। सुलभ इंटरनेशनल के प्रबंधक धनंजय पाठक ने बताया कि जिलाधिकारी के आदेशों के क्रम में करीब 60 पर्यावरण मित्रों द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। उधर नगर पंचायत केदारनाथ के भी करीब 60 पर्यावरण मित्रों द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। विशेष स्वच्छता अभियान के अंतर्गत केदारपुरी एवं यात्रा मार्ग से प्लास्टिक कचड़े को प्लास्टिक बैगों में जमा किया जा रहा है। प्लास्टिक कचड़े को एकत्रित कर सोनप्रयाग स्थित कॉम्पेक्टर में पहुंचाया जाएगा जहां से इसे कॉम्पेक्ट कर उचित निस्तारण के लिए भेजा जाएगा। वहीं होटल एवं रेस्तरां संचालकों के जैविक कूड़े का भी निस्तारण किया जा रहा है। कई दुकान संचालकों द्वारा दुकानों का वेस्ट मैटीरियल भी यथावत विभिन्न स्थानों पर लावारिस छोड़ दिया गया है इसका भी निस्तारण किया जा रहा है। वहीं घोड़े की लीद एवं अन्य वेस्ट मैटीरियल भी निस्तारित किए जा रहे हैं।

जयन्त
संस्थापक
नरेन्द्र उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक और
सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
द्वारा जयन्त प्रकाशन डिग्री कॉलेज रोड़, जौनपुर कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा जयन्त कार्यालय चन्द्रसिंह गढ़वाली मार्ग, गैरसैंण, जनपद चमोली उत्तराखण्ड से प्रकाशित
RNI No.UTTHIN/2005/16338